पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 305

ग्वालियर, बुधवार, 29 दिसम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

राकेश टिकैत बोले- मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि इसे फसाद से बचाकर रखना है

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। यहां सब लोग प्रेम से रहते हैं। इसे फसाद से बचाकर रखना है। इसे मुजफ्फरनगर नहीं बनने देना है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए किसान नेता ने एक बार फिर स्पष्ट किया, %किसानों ने अपना आंदोलन स्थगित किया है, खत्म नहीं। जब जरूरत पड़ेगी, फिर आंदोलन करेंगे।% उन्होंने यह भी कहा कि किसान केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी का इस्तीफा और गिरफ्तारी की मांग उठाते रहेंगे। टिकैत यहां समता फाउंडेशन की ओर से किसानों की मांगों को लेकर दिए जा रहे धरने को स्थगित कराने पहुंचे थे। उन्होंने अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लोकेश राही को जूस पिलाकर धरना स्थगित कराया। लोकेश राही पिछले 14 महीनों से धरना दे रहे थे।

पटना हाईकोर्ट के एजीक्यूटिव इंजीनियर 8 लाख की घूस लेते पकड़ाया

पटना। पटना में निगरानी विभाग ने छापा मारकर पटना हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी को 8 लाख रुपये की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पटना हाईकोर्ट के आरोपी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ठेकेदार से बिल पास करने के नाम पर 8 लाख रुपये की घूस ले रहे थे।इस लेकर ठेकेदार ने निगरानी विभाग में इस बाबत शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि सरकारी काम पूरा होने के बाद भी उनका बिल पास नहीं किया जा रहा है।बिल पास करने के नाम पर लाखों रुपये की घूस मांगी जा रही है। मामले की पूरी छानबीन के बाद निगरानी विभाग की टीम ने हाईकोर्ट के कार्यपालक अभियंता को योजनाबद्ध तरीके से घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। टीम ने पटना हाई कोर्ट के एक रिश्वतखोर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजेश कुमार को रंगे हाथ पकड़ा है। राजेश बिल पास करने के नाम पर 8 लाख रुपए का घूस ले रहे थे।निगरानी की टीम ने सुबह 10 बजे के करीब कार्रवाई की। आरोपी अधिकारी राजेश कुमार का कंकड़बाग के नूतन टावर में फ्लैट है। निगरानी विभाग की टीम ने उन्हें यहीं से ठेकेदार से 8 लाख रुपए का घूस लेकर रंगेहाथों पकड़ा है। दरअसल, राजेश कुमार के खिलाफ निगरानी मुख्यालय में एक ठेकेदार ने लिखित शिकायत दी थी। ठेकेदार का आरोप था कि ठेके पर सरकारी काम पूरा करने के बाद भी बिल क्लियर नहीं किया जा रहा।ठेकेदार ने आरोप लगाया था कि एग्जीक्यूटिव इंजीनियर उनसे रिश्वत मांग रहे हैं। इसके बाद निगरानी मुख्यालय ने डीएसपी सुरेंद्र कुमार महुआर को जांच कर कार्रवाई करने की जिम्मेवारी सौंपी थी।

नीट-पीजी काउंसलिंग दिल्ली में डॉक्टरों-पुलिस के बीच झड़प, कई घायल

नई दिल्ली। नीट-पीजी 2021 काउंसलिंग में देरी को लेकर दिल्ली में बड़ी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया और इसी दौरान सड़कों पर पुलिस और डॉक्टरों के बीच झड़प हो गयी। दोनों पक्षों का दावा है कि उनकी ओर के कई लोग घायल हुए हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपना आंदोलन तेज करते हुए सोमवार को सांकेतिक रूप से अपने लैब कोट लौटा दिए और सड़कों पर मार्च निकाला। डॉक्टरों का आंदोलन जारी रहने से केंद्र द्वारा संचालित तीन अस्पतालों - सफदरजंग, आरएमएल और लेडी हार्डिंग अस्पतालों के साथ ही दिल्ली सरकार के कुछ अस्पतालों में मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ है। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन पिछले कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष ने दावा किया कि बड़ी संख्या में प्रमुख अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने सोमवार को विरोध स्वरूप प्रतीकात्मक तौर पर अपना एप्रन (लैब कोट) वापस कर दिया। उन्होंने कहा, हमने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) परिसर से उच्चतम न्यायालय तक मार्च करने की भी कोशिश की, लेकिन जैसे ही इसे हमने शुरू किया, सुरक्षाकर्मियों ने हमें आगे बढ़ने से रोक दिया।

अभिनेत्री शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह सुख पर जानलेवा हमला

मुंबई। बिग बॉस फेम और अभिनेत्री शहनाज गिल की मुश्किलें थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अभिनेता सिद्धार्थ के निधन के बाद शहनाज ने अपनी नॉर्मल लाइफ में लौटना शुरू ही किया था कि उनके पिता संतोख सिंह सुख पर जानलेवा हमला हो गया है।शहनाज के पिता अमृतसर से ब्यास जा रहे थे, तभी रास्ते में कुछ युवकों ने उनपर फायरिंग कर दी। जानकारी के मुताबिक,25 दिसबंर को शहनाज गिल के पिता गाड़ी में बैठकर कहीं जा रहे थे और बीच में उन्होंने एक ढाबे पर गाड़ी रोकी थी, तभी कुछ युवकों ने उनपर हमला कर दिया। शहनाज के पिता संतोख का कहना है कि वहां वॉशरूम जाने के लिए रास्ते में ढाबे पर रुके थे। उनके साथ उनके बाउंसर भी थे,लेकिन तभी अचानक बाइक सवार युवकों ने पिस्तौल से उनपर फायरिंग करनी शुरू कर दी।

प्रदेश के कई जिलों में मावठ

कड़ाके की ठंड के बीच होगा नए साल का स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड से राहत मिली हुई थी। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रह रहा था। मंगलवार को सुबह मौसम ने करवट ली और भोपाल समेत ज्यादातर जिलों में सुबह मावठा गिरा। राजगढ़, होशंगाबाद, सीहोर, रायसेन, विदिशा, अशोकनगर, छतरपुर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। दो दिन तक प्रदेश में ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच नए साल का स्वागत होगा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर भारत में बर्फबारी का असर प्रदेश में दिख रहा है। ज्यादातर इलाकों में बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। 28 और 29 दिसंबर को भी मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है। 30 दिसंबर के बाद ठंड बढ़ेगी। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को कड़ाके की ठंड रहेगी। दिन का तापमान भी गिरेगा। यानी नए साल की अगवानी राज्य में कड़ाके की ठंड के बीच होगी।

यहां हो रही है बारिश

मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल संभाग के साथ ही उज्जैन और भोपाल संभाग के कुछ जिलों में बारिश का अनुमान लगाया था। 28 दिसंबर को सुबह से भोपाल, पन्ना, सागर, होशंगाबाद, जबलपुर, रीवा और शहडोल में बारिश हो रही है। यह बारिश रबी की फसल के लिए अच्छी मानी जाती है। सोमवार की रात नरसिंहपुर 9.0 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। रायसेन में 9.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। बाकी सभी जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विभाग की मानें तो मावठे की वजह से एक-दो दिन में तापमान फिर गिरेगा। ज्यादातर जिलों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे रहने का अनुमान है।

सीहोर में ऑरेंज अलर्ट, ओले भी गिरेंगे

सीहोर के आरएके कॉलेज मौसम विभाग की माने तो 28 और 29 दिसम्बर को हवा की रफ्तार 16 किमी प्रतिघंटा तक रहने का अनुमान है। दो दिन बारिश का दौर रहेगा, जो रुक-रुककर होती रहेगी। तेज हवाएं और ओलावृष्टि फसलों के लिए हानिकारक हो सकती है। शासकीय आरएके कृषि कालेज के मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएस तोमर ने बताया की दक्षिण पूर्व की हवाओं और बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बन रहा है जो पूरे मप्र में बारिश कराएगा।

पहाड़ों पर हुई बर्फबारी, दिल्ली में बरसेंगे बादल, हरियाणा में शीत लहर का अलर्ट

नई दिल्ली। घने कोहरे और प्रदूषण की मार सह रही राजधानी दिल्ली में आज भी बारिश के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में बारिश होने से प्रदूषण में तो कमी आएगी लेकिन इससे सर्दी में इजाफा होगा। आपको बता दें कि पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण दिल्ली समेत मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। दिल्ली में हल्की बारिश हुई थी जिसकी वजह से दिल्ली की जहरीली हवा में मामूली से सुधरी है, मतलब कि जो दिल्ली में वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर था, जो अब खराब श्रेणी में आ गया है। अनुमान है कि आज दिल्ली का न्यूनतम ताप 8 डिग्री के आस-पास रह सकता है। जहां दिल्ली का ये हाल है वहीं दूसरी ओर हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में जमकर बर्फबारी हुई है, जिससे सैलानियों के चेहरे खिल गए हैं। पटनीटॉप में कल काफी बर्फबारी हुई, जिसका भरपूर लुत्फ उठाते पर्यटक नजर आए। सैलानियों की मस्ती की तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। तो वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित दक्षिण हरियाणा क्षेत्र में 31 दिसंबर को शीत लहर की भविष्यवाणी की है। जिसके लिए उसने यहां के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने कहा है कि दक्षिण हरियाणा क्षेत्र में 29-30 दिसंबर को घना कोहरा और शीत लहर छाने की आशंका है तो वहीं गुरुग्राम में 31 दिसंबर को शीत लहर का प्रकोप देखने को मिल सकता है।

जो चुनौतियों से भागते हैं वो उनका शिकार बन जाते हैं: पीएम नरेंद्र मोदी

कानपुर। पीएम नरेंद्र मोदी ने कानपुर आईआईटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों से कहा कि हमें कभी चुनौती से नहीं भागना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जो लोग चुनौती से

भागते हैं, वो उनका शिकार बन जाते हैं। उन्होंने कहा, %आज से शुरू हुई यात्रा में आपको सहूलियत के लिए शॉर्टकट भी बहुत लोग बताएंगे, लेकिन मेरी सलाह यही होगी कि आप कंफर्ट मत चुनना, चुनौती जरूर चुनना। क्योंकि, आप चाहें या न चाहें, जीवन में चुनौतियां आनी ही हैं। जो लोग उनसे भागते हैं वो उनका शिकार बन जाते हैं।% पीएम ने कहा कि आप अपनी मानवीय संवेदनाओं को और जानने की ललक को कभी मरने मत देना। लोगों से जुड़ने की अपनी इच्छा को दबने नहीं देना। जीने की जिजीविषा का नाम ही जीवन है और इसे पूरे आनंद एवं उल्लास से जीना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा आत्मनिर्भर बनने के लिए अधीर बनें। मैं भी अधीर हूं। वर्ष 2047 में भारत कैसा होगा, यह आपको ही तय करना है। आपको ही देश की दिशा व गति तय करनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 साल की उम्र में अपने पैरों पर खड़े हो जाना चाहिए। मगर देश आजादी के बाद 25 साल की उम्र में पैरों पर खड़ा नहीं हो पाया।

सीएम चन्नी बोले- पंजाब को केजरीवाल जैसे बाहरी लोगों की नहीं आवश्यकता

रोहनो कलां, पंजाब। पंजाब के सीएम चरनजीत सिंह चन्नी ने आप पार्टी के नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि केजरीवाल को पंजाबियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और उन्हें

समझना चाहिए कि वे अपने राज्य का शासन चलाने में सक्षम हैं और उन्हें किसी 'बाहरी' की जरूरत नहीं है। एक सरकारी बयान के अनुसार, खन्ना के पास रोहनो कलां गांव में खेल के मैदान और पंचायत भवन का उद्घाटन करने आए चन्नी ने कहा, 'गर्व से भरे पंजाबी केजरीवाल जैसे बाहरी व्यक्ति को खुद पर कभी शासन नहीं करने देंगे।' चन्नी ने कहा कि उनकी सरकार आम लोगों के एजेंडे को लागू कर रही है जबकि केजरीवाल जैसे लोग 'दिल्ली की आम जनता की बेहतरी के लिए काम करने की जगह पंजाब के लोगों के लिए चांद-तारे लाने का वादा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'केजरीवाल पंजाब के लोगों के सामने सिर्फ झूठ का पुलिंदा खोलने में अच्छे हैं।' उन्होंने कहा, 'यह वही केजरीवाल हैं जिन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले गारंटी दिया था कि वह (शिअद नेता) बिक्रम सिंह मजीठिया को मादक पदार्थ तस्करों के साथ संबंधों को लेकर जेल भिजवाएंगे।'

दिग्विजय सिंह ने लगाया आरोपः सरकार पंचायत के कामों में ले रही 20 प्रतिशत कमीशन

प्रदेशभर में पंचायत मंत्री के लोग कर रहे वसूली

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया है कि शिवराज सरकार ने नियम-कानून को दरकिनार कर पंचायत चुनाव कराने के लिए गलत निर्णय लिया था, जो सही साबित हुआ। शिवराज की हुकुमत गांव से लेकर जिले तक पंचायत के कामों में 20 प्रतिशत कमीशन ले रही है। यह वसूली पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के माध्यम से जिले के लोग करते हैं। दिग्विजय सिंह मंगलवार को भोपाल में कांग्रेस के स्थापना दिवस पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के बयान पर कहा- सासंद कह रहे हैं कि सरपंच के 15 लाख रुपए को नजरअंदाज कर दें, लेकिन बात यह है कि 15 लाख रुपए में से सांसद का हिस्सा कितना है? मंत्री, मुख्यमंत्री, जिला पंचायत, जनपद पंचायत के सीईओ, सचिव का हिस्सा कितना है? रीवा के भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। जनार्दन मिश्रा ने कहा है कि पंच और सरपंच 15 लाख रुपये तक के भ्रष्टाचार करें तो उनकी शिकायत नहीं करनी चाहिए। उनके बयान का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मिश्रा ने कहा है कि सरपंचों को चुनाव लड़ने के लिए 7 लाख रुपए की जरूरत होती है। अगला चुनाव लड़ने के लिए भी उन्हें 7 लाख रुपए चाहिए। अगले चुनाव तक बढ़ी महंगाई के लिए 1 लाख अतिरिक्त रकम की जरूरत होगी।

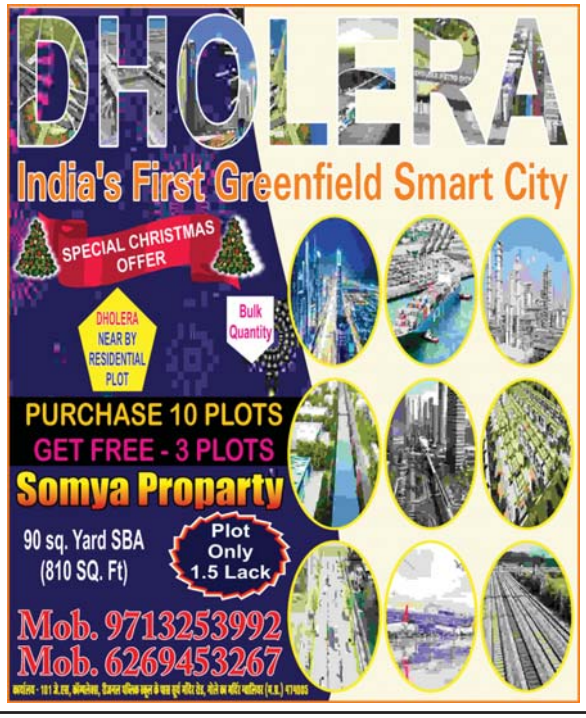

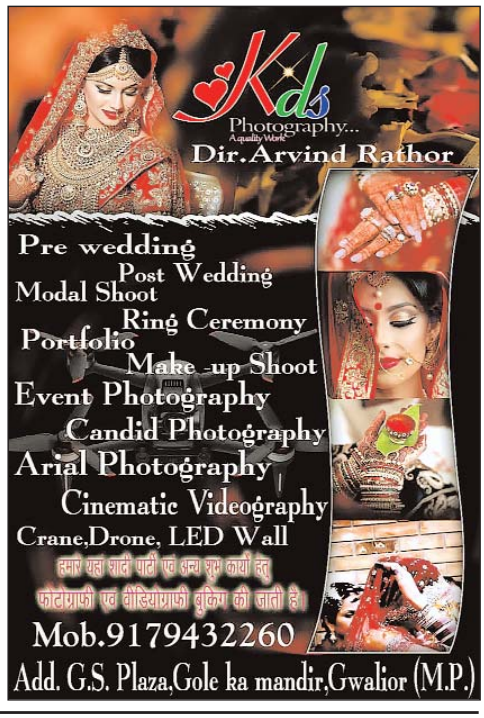

क्रिकेटर अमित मिश्रा के घर में घुसकर की मारपीट, रणजी छोड़ लौटे घर

बिलासपुर. सोमवार को रणजी क्रिकेट प्लेयर अमित मिश्रा के घर में घुसकर पड़ोसी युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। रॉड, फावड़ा और डंडे लेकर घुसे युवकों ने उनके माता-पिता, छोटे भाई, उसकी गर्भवती पत्नी और अमित की पत्नी पर हमला किया। सभी को गंभीर हालत में अपोलो अस्पताल और सीआईएमएस में भर्ती कराया गया है। सुबह जब पड़ोसियों ने हमला किया, तब अमित अहमदाबाद में थे। वहां रणजी का कैंप चल रहा है। उनकी पत्नी ने उन्हें फोन से हमले की जानकारी दी। तब अमित कैंप छोड़कर तत्काल बिलासपुर के लिए रवाना हो गए और रात में घर पहुंचे। खास बात यह है कि पुलिस ने सिर्फ साधारण मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया। हालांकि बाद में हत्या के प्रयास में मामला दर्ज करने की बात कही है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा के कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी रणजी प्लेयर अमित मिश्रा के पड़ोसी गंगाधर मिश्रा अपने घर की पुताई करा रहे हैं। सोमवार सुबह गंगाधर मिश्रा उनके घर पहुंच गए। इस दौरान उसने अमित के पिता चंद्रिका प्रसाद से कहा कि उनके घर की तरफ की दीवार पर पुताई कराना है। इस पर चंद्रिका प्रसाद ने पूजा, पाठ करने और घर का कामकाज निपटाने के बाद पुताई करने की बात कही। आरोप है कि मना करने पर गंगाधर मिश्रा, उनका भाई, दो बेटे और अन्य दोस्त उनके घर में घुस गए और गाली-गलौज करने लगे।हमले में चंद्रिका प्रसाद के साथ ही शशि, प्रतिमा, हितेश, मंजू, अल्का गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, चंद्रिका प्रसाद के घर काम से आए तोरवा के शंकर नगर निवासी राजेश तिवारी भी इस हमले में घायल हो गए। इस घटना की शिकायत पर पुलिस न तो मामले की जांच करने पहुंची और न ही घायलों का हाल जाना। ञ्द्ध परिवेश तिवारी ने कहा कि हमलावरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान इस प्रकरण में धारा 307 जोड़कर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज़ ट्रैक....

गांगुली कोरोना संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली कोरोना संक्रमित हुए हैं। बीसीसीआई के अनुसार गांगुली को जांच में पॉजिटिव पाया गया है। उनकी सोमवार को कोविड-19 के लिए जांच हुई थी जिसमें उन्हें संक्रमित पाया गया है। अब तक की जानकारी के अनसार गांगुली को कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांगुली के पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनकी सेहत ठीक है और चिंता की कोई बात नहीं है। गांगुली को मेडिकल टीम ने होम आइसोलेशन की जगह अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी थी कयोंकि इस साल की शुरुआत में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। जिसके कारण दो बार उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। उनके हृदय में दो कृत्रिम नली (स्टेंट्स) भी लगाए गए हैं। इसको देखते हुए डॉक्टर किसी प्रकार का खतरा मौल नहीं लेना चाहते हैं। गांगुली भारतीय टीम के पूर्व कप्तान भी रहे हैं। क्रिकेट में एक प्रशासक और कोच के तौर पर भी वह सफल रहे हैं। उन्होंने बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के रूप में भी लंबे समय तक अपनी सेवाएं दी हैं।

मंधाना की नजरें एकदिवसीय विश्व कप पर लगीं

गुरुग्राम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रमुख बल्लेबाज स्मृति मंधाना की नजरें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप पर लगी हैं। मंधाना इससे पहले अपनी बल्लेबाजी में और निरंतरता लाना चाहती हैं। मंधाना के अनुसार वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पायी थीं हालांकि उसके बाद इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के दौरों पर अच्छी बल्लेबाजी कर अपना फार्म हासिल कर लिया। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं की बिग बैश लीग में भी मंधाना का प्रदर्शन शानदार रहा था जिसमें उन्होंने एक शतक भी जड़ा था। वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलती हैं और भारतीय टीम की कप्तानी की दावेदार है। माना जा रहा है कि विश्व कप के बाद जब टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान मिताली राज खेल को अलविदा कहेंगी तब मंधाना को ही कप्तानी मिलेगी।

भारतीय टेनिस में युवा और कुशल खिलाड़ियों की कमी : राजपाल

नई दिल्ली । भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रोहित राजपाल ने कहा है कि भारतीय टेनिस में युवा और कुशल खिलाड़ियों की कमी है। इसके लिए वह नए खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। इसके लिए लॉन टेनिस संघ में कार्य भी शुरु हो गया है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य जूनियर खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ ही सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराना है। राजपाल ने कहा कि वह कोच जीशान अली के साथ राष्ट्रीय टेनिस केंद्र में नये खिलाड़ियों को निखारने में सफल रहेंगे। पुरुष एकल रैंकिंग में शीर्ष 100 का एक भी भारतीय खिलाड़ी नहीं है और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी 27 वर्षीय रामकुमार रामनाथन हैं, जिन्हें एटीपी तालिका में 184वें स्थान पर रखा गया है। प्रजनेश गुणेश्वरन 32 साल के हैं, जबकि रोहन बोपन्ना 41 साल के हो चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नजर नहीं आयेंगी ये महिला खिलाड़ी

मेलबर्न । अमेरिका की सेरेना विलियम्स , चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा, कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू के बाद अब अमेरिका की जेनीफेर ब्रेडी फिट नहीं होने के कारण अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो अभ्यास मुकाबलों से बाहर हो गयी हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अधिकारियों ने कहा है कि ब्रेडी बाएं पैर में चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। अधिकारियों ने ट्वीट किया, 'आपके जल्द उबरने की कामना करते हैं ब्रेडी। ब्रेडी ने पिछले साल मेलबर्न पार्क में अपने करियर में पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी जहां उन्हें जापान की नाओमी ओसाका के खिलाफ सीधे सेट में हार झेलनी पड़ी थी।

वहीं चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा भी चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हो गयी हैं। मुचोवा ने अपने एक ट्वीट में कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए दुख हो रहा है कि मेरा 2022 सीजन ऑस्ट्रेलिया में शुरू नहीं होगा हालांकि मैं कोर्ट पर वापसी करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हूं। मुचोवा ने इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के 2021 संस्करण में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण वह इस साल दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में भी शामिल रही थीं। इस प्रकार उन्होंने 19वीं रैंकिंग हासिल की थी जो उनकी अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। वह सितंबर में यूएस ओपन में पहले दौर में हार के बाद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गईं थी। इसके बाद से वह चोट से उबर नहीं पाई हैं।

जरुरत से ज्यादा रक्षात्मक रुख अपना रहे इंग्लैंड के खिलाड़ी : पोंटिंग

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड की एशेज सीरीज में खराब बल्लेबाजी को लेकर कहा है कि उसके खिलाड़ी डरे हुए नजर आ रहे हैं और जरुरत से ज्यादा रक्षात्मक रुख अपनाये हुए हैं। यहां तक कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स में भी अब उस प्रकार की आक्रमकता नहीं दिख रही है जिसके लिए वह जाने जाते हैं।

पोंटिंग का मानना है कि स्टोक्स में वह आक्रामकता नजर नहीं आ रही जिससे विरोधी टीमें भयभीत रहती थी और मौजूदा एशेज सीरीज में वह भी रक्षात्मक नजर आये हैं। पोंटिंग ने कहा, 'वह अति रक्षात्मक खेल रहा है। वह स्टोक्स दिख ही नहीं रहा जिसकी आक्रामक से विरोधी टीमें दबाव में आ जाती थीं।% उन्होंने कहा, 'इसका एक कारण यह नजर आ रहा है कि एक तो बल्लेबाजी के लिए हालात अनुकूल नहीं है और दूसरा उसका सामना सबसे अच्छे गेंदबाजों से हो रहा है।% पोंटिंग ने कहा कि स्टोक्स को इंग्लैंड को संकट से निकालने के लिए पारंपरिक रवैये को छोड़कर आक्रामक रुख अपनाना होगा।

उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि आप हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते। ऐसे में तो ये गेंदबाज दबाव बनाते जाएंगे। जब मैं खेलता था तब टीम में हम अक्सर कहते थे कि जितना अच्छा गेंदबाज होगा, उतना ही ज्यादा जोखिम भी बल्लेबाज को लेना होगा क्योंकि कोई खराब गेंद नहीं मिलने वाली। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से भी स्टोक्स पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'पांचवें नंबर पर उतरने के कारण उसे पता है कि उसका रन बनाना कितना जरूरी है। इसीलिए वह अतिरिक्त प्रयास कर रहा है पर उससे कमजोर तकनीक वाले बल्लेबाजों को उससे ऊपर बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजन चाहिये क्योंकि वह तकनीकी रुप से सक्षम बल्लेबाज है। पोंटिंग ने बॉक्सिंग डे टेस्ट की पहली पारी में आसानी से विकेट खोने वाले स्टोक्स के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जो रूट, और जोस बटलर की भी आलोचना की है।

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में गोल करते हुए टोटेनहेम के लुकास मयूरा।

अब अंतरिक्ष में दिखेगा युवराज का बल्ला

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का बल्ला अब अंतरिक्ष में नजर आयेगा। इसी बल्ले से युवराज ने पहला एकदिवसीय शतक लगाया था। युवराज ने एनएफटी स्पेस के साथ एक करार किया है। एक कंपनी, जो गैर-फ्रैंचाइजी टोकन जारी करती है, ने युवराज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के अनुसार एक साल के अंदर प्रशंसक युवी के बल्ले को अंतरिक्ष में देखेंगे। साथ ही कहा कि इसका एक वीडियो भी जारी किया जाएगा। युवराज ने कहा कि मैं बहुत उत्साहित महसूस कर रहा हूं कि मेरा बल्ला स्पेस फ्लाइट में होगा। इस नए प्लेटफॉर्म से जुडने से प्रशंसकों के साथ मेरा रिश्ता और गहरा बनेगा। मैंने इस बल्ले से पहला शतक लगाया था। युवराज ने अपना पहला एकदिवसीय शतक साल 2003 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका के बंगबंधु नेशनल स्टेडियम में बनाया था। तब युवराज 27वें ओवर में मैदान पर उतरे थे और उन्होंने 85 गेंदों में नौ चौके और चार छक्कों की सहायता से 102 रन बनाये थे।

व्यापारन्यूज

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। इस ब?ोतरी के साथ सोने के दाम 48,000 रुपये के ऊपर पहुंच गये हैं। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के भाव में 0.11 फीसदी की तेजी आई है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में 0.50 फीसदी की गिरावट आई है। सोने की कीमत 0.15 फीसदी की तेजी के साथ ही 48,138 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। वहीं कारोबार के दौरान चांदी के दाम में 0.23 फीसदी की बढोतरी हुई है और एक किलो चांदी की कीमतें 62,444 रुपये पर हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

मुम्बई । पेट्रोल और डीजल की कीमतें मंगलवार को स्थिर बनी हुई हैं। देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। कीमतें न तो कम हुई हैं और न ही बढ़ी हैं। यह लगातार 27 वां दिन है जब कीमतों में उछाल नहीं आया है। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल के दाम 95.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर है बने हुए हैं इसी प्रकार मुंबई में 109.98 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.14 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 104.67 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.79 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है जबकि चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.43 रुपये प्रति लीटर है।

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे बढ़कर 74.88 पर पहुंचा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.95 पर खुलने के बाद 12 पैसे की बढ़त दर्ज करने के साथ ही 74.88 पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे ऊपर आकर 75 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला, एशियाई बाजारों में भी बढ़त

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया है। इस दौरान तीस शेयरों वाला सूचकांक 320.31 अंक करीब 0.56 फीसदी की तेजी के साथ ही 57,740.55 अंक पर पहुंच गया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाल एनएसई निफ्टी 94.70 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी बढ़कर 17,180.95 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक दो फीसदी की तेजी एशियन पेंट्स के शेयरों में हुई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एलएंडटी, इंफोसिस, एचसीएल टेक और पावरग्रिड के शेयर भी ऊपर आये हैं। वहीं दूसरी ओर डॉ रेड्डीज के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इससे पहले गत दिवस भी बाजार 295.93 अंक करीब 0.52 फीसदी बढ़कर 57,420.24 पर और निफ्टी 82.50 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी बढ़कर 17,086.25 पर बंद हुआ था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,038.25 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

एशियाई बाजारों में रौनक

एशियाई बाजारों में भारी बढ़त देखी गयी है। भी रौनक देखने को मिल रही है। इस बीच आज एशियाई बाजारों में बढ़त के साथ कारोबार देखने को मिल रहा है। एसजीएक्स निफ्टी 89.50 अंक की बढ़त पर है। वहीं, निक्केई करीब 0.96 फीसदी की बढ़त के साथ ही 28,952.76 के करीब है। वहीं, स्ट्रेट टाइम्स में 0.56 फीसदी की बढ़त आई है। ताइवान का बाजार 0.60 फीसदी चढ़कर 18,157.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि हैंगसेंग 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ ही 23,137.81 के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं, कोस्पी में सपाट कारोबार हो रहा है जबकि शंघाई कम्पोजिट 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ ही 3,611.11 के स्तर पर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में सांत रैली बरकरार है। एसएंडपी भी शीर्ष पर है। डाओ में 350 अंकों का भारी उछाल आया है , नेसडेक में 1.4 फीसदी की तेजी देखने को मिली है जबकि डाओ 352 अंकों की बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा है।

भारतीय रियल्टी क्षेत्र को 2022 में बेहतर बिक्री की उम्मीद

मुंबई । भारतीय रियल एस्टेट कारोबार ने 2020 की मंदी को पीछे छोड़कर इस साल मकानों की बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की और कारोबारियों को उम्मीद है कि नए साल 2022 में जोरदार मजबूती देखने को मिलेगी। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में इस साल पुनरुद्धार के लिए एक मजबूत नींव रखी गई, जिसके 2030 तक 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। महामारी से पहले उद्योग का आकार 200 अरब डॉलर था। वर्ष 2021 में उद्योग ने प्रतिष्ठित डेवलपर्स के प्रति मांग बढ़ने, समय से मकान तैयार करने, ग्राहकों द्वारा बड़े और अच्छे घरों की मांग और बिल्डरों द्वारा डिजिटल तकनीकों को तेजी से अपनाने जैसे कुछ रुझान देखने को मिले। आवासीय बाजार में जनवरी-मार्च के दौरान बिक्री मजबूत थी। इसमें होम लोन के लिए ब्याज दरों में ऐतिहासिक कमी और कुछ राज्यों द्वारा स्टांप शुल्क में कमी की प्रमुख भूमिका रही। हालांकि, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान रियल एस्टेट सहित अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में मांग प्रभावित हुई। सितंबर तिमाही के दौरान लगभग सभी बड़े सूचीबद्ध डेवलपर्स ने अपनी बुकिंग बिक्री में तेज वृद्धि दर्ज की।

हल्दी एक मसाला पर लगेगा 5 फीसदी की दर से जीएसटी

नई दिल्ली । भोजन में सबसे अहम रोल अदा करने वाली हल्दी को लेकर जीएसटी अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग्स (जीएसटी-एएआर) की महाराष्ट्र बेंच ने नई व्यवस्था दी है और कहा कि हल्दी एक मसाला है जिस पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा। बेंच के सामने यह सवाल था कि क्या हल्दी एग्रीकल्चर प्रोडक्ट है जिसे जीएसटी में छूट मिलेगी। लेकिन जीएसटी-एएआर ने अपने फैसले में कहा कि किसान हल्दी को पहले उबालते हैं और फिर सुखाने के बाद पॉलिश करके बाजार में बेचते हैं। यह जीएसटी-एएआर की गुजरात बेंच के फैसले के उलट है। जीएसटी-एएआर के कर्नाटक बेंच ने भी हाल में कहा था कि अंडा (कच्चे रूप में) एक एग्रीकल्चर प्रोडक्ट है जिस पर जीएसटी नहीं लगेगा।

ताजा मामले में कमीशन एजेंट नितिन बापूसाहेब पाटिल ने आवेदन किया था। वह एग्रीकल्चरल प्रॉड्यूस मार्केट कमेटी (एपीएमसी) के अधिकारी की देखरेख और किसानों तथा ट्रेडर्स की मौजूदगी में नीलामी करता था। अगर नीलामी की कीमत किसानों को मंजूर होती थी तो वह इंटरमीडिएटरी का काम करता था। इसके लिए उसे एपीएमसी नियमों के मुताबिक ट्रेडर्स से 3 फीसदी कमीशन मिलता था। एएआर को दिए आवेदन में पाटिल ने यह भी जानना चाहा था कि उनकी सर्विसेज को जीएसटी में छूट मिलेगी या नहीं। 28 जून, 2017 के नोटिफिकेशन के मुताबिक कोई भी फसल और पशुपालन (घोड़े को छोड़कर) एग्रीकल्चरल प्रॉड्यूस है। लेकिन इन पर किसी तरह की प्रोसेसिंग नहीं होनी चाहिए जिससे इनके मूल रूप में कोई बदलाव हो। जीएसटी-एएआर ने कहा कि आवेदक यह साबित करने में नाकाम रहा कि किसान अपने खेतों में ही हल्दी पर स्पेशलाइज्ड प्रोसेस करते हैं।

भारती एयरटेल और टीसीएस ने 5जी आधारित रिमोट वर्किंग तकनीक के लिए की साझेदारी

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल और प्रमुख सूचना प्रद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने रोबोटिक्स का इस्तेमाल करके 5जी आधारित रिमोट वर्किंग तकनीक बनाने के लिए साझेदारी की है। दोनों कंपनियां फिलहाल हरियाणा के मानेसर में एयरटेल की 5जी लैब में परीक्षण कर रही हैं। एक सूत्र ने बताया, 'भारतीय कंपनियां 5जी के लिए देश में विकसित तकनीक को अपनाने पर विचार कर रही हैं। एयरटेल और टीसीएस ने 5जी का इस्तेमाल करके रिमोट रोबोटिक संचालन के लिए हाथ मिलाया है। उन्होंने एयरटेल की 5जी लैब में सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।' सूत्र ने कहा कि ये समाधान खनन, तेल और गैस क्षेत्रों जैसे जोखिम की आशंका वाले वातावरण में रिमोट रोबोटिक संचालन को सक्षम करेंगे। एक बार 5जी का वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के बाद दोनों कंपनियों की दिलचस्पी इन समाधानों को औद्योगिक खंड में लाने की है। इस बारे में संपर्क करने पर टीसीएस ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, और भारती एयरटेल को भेजे गए एक ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। एयरटेल और टीसीएस ने जून में भारत में 5जी नेटवर्क समाधान लागू करने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया था। टाटा समूह ने ओ-आरएएन (ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क) आधारित रेडियो और कोर एलिमेंट विकसित किया है, जबकि एयरटेल भारत में 5जी को लागू करने के अंतर्गत इस स्वदेशी समाधान का इस्तेमाल करेगी।

वन भूमि सामुदायिक एवं व्यक्तिगत पट्टे दावे पर एकता परिषद की बैठक संपन्न

पहाड़गढ़। ग्राम बघेवर में एकता परिषद द्वारा चलाए जा रहे तालाब जीर्णोद्धार का कार्य संपन्न हुआ ग्राम बघेवर, निचली बहराई एवं ग्राम बहेरी में एकता परिषद द्वारा 122 श्रमिक को 26 दिन का रोजगार दिलाया गया। उक्त काम का समापन ग्राम बघेवर पहाड़गढ़ में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुरैना जिला के पहाड़गढ़, कैलारस, सबलगढ़ क्षेत्र के 22 गांव के आदिवासी मुखिया उपस्थित रहे। इसके साथ ही वन भूमि के मुद्दे पर भी बैठक संपन्न हुई। पिछले दिनों से एकता परिषद द्वारा मुरैना में 30 हितग्राहियों को बकरी एवं मुर्गी पालन हेतु हितग्राहियों का चयन करके 5 रूपए के हिसाब से उनके खाते में ऑनलाइन भुगतान किया गया। इसी क्रम में 40 हितग्राहियों को झोपड़ी निर्माण हेतु 3 हजार रूपए प्रति हितग्राही प्रदान किए गए। उपरोक्त कार्यक्रम में एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रन सिंह परमार उपस्थित रहे। उन्होंने आदिवासी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने तालाब निर्माण कार्य किया, इसमें आपने ही देख-रेख की व आपके द्वारा लोगों का चयन किया गया तथा आपके बैंक खातों में सीधा पैसा आया जो एक मिशाल हैं। हमें अपने अधिकार के लिए संगठित होकर गांधीवादी तरीके से हक अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वन भूमि सामुदायिक पट्टे के लिए हमें संघर्ष करना है, जिससे हम अपने जीवन यापन के लिए वनोपजप्राप्त कर वनों को संरक्षित करें तथा स्वतंत्र रूप से अपने उपयोग हेतु सामुदायिक पट्टे प्रति गांव में प्राप्त करने के लिए एकजुट होकर वैधानिक कार्यवाही एवं मदद करें। उनहोंने कहा कि जो पात्र हितग्राही हैं, जिन्होंने वन भूमि पर 2005 से पूर्व खेती की है, वन विभाग ने बेदखल कर दिया है, वह केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के वनोपज नियम अनुसार दस्तावेज तैयार कर वन भूमि हेतु अपने अपने दावे पेश करें। इसी क्रम में एकता परिषद के जिला संयोजक उदयभान सिंह परिहार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आदिवासी महिला पुरुषों को संबोधित करते हुए कहा कि मुरैना जिले में 163 पात्र हितग्राहियों के पट्टे निरस्त कर दिए हैं। आदिवासी ने अपने दावे लगाए हैं इसमें वन समिति एवं ग्राम सभा ने अपने दायित्व पूरा नहीं किया। जिससे पात्र हितग्राही छूट गए हैं एकता परिषद द्वारा गांव-गांव जाकर गांव के मुखिया एकजुट होकर एकता परिषद के माध्यम से अपने नए सिरे से वन भूमि के दावे वन विभाग में लगाएंगे। इसके लिए पहाड़गढ़, कैलारस, सबलगढ़ के गांव में वन भूमि के पट्टे दावे फार्म तैयार करने की कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें रमेश आदिवासी, उदय राज आदिवासी, मनीष सबलगढ़ आदिवासी, राम अवतार आदिवासी, बुज्जर आदिवासी, चिरौंजी आदिवासी पहाड़गढ़, मुन्ना आदिवासी, बद्री आदिवासी, परमाल आदिवासी एवं श्री लाल आदिवासी कैलारस के रूप में कमेटी का गठन किया गया है। यह सभी गांव-गांव जाकर भूमि पट्टे के दावे के फर्मो को इकट्ठा करेगें एवं जिला लेवल पर लगाएंगे।

शासकीय योजनाओं में गति न देने पर नोटिस एवं वेतन काटने के निर्देश

जौरा एसडीएम, तहसीलदार सहित 6 अधिकारियों पर की कार्यवाही

मुरैना। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जो अधिकारी कार्य में लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाही की जायेगी। यह निर्देश कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने बैठक के दौरान समस्त अधिकारियों को दिये। समीक्षा के दौरान 6 अधिकारियों द्वारा शासकीय योजनाओं में प्रगति नहीं देने पर कलेक्टर ने उन्हें कारण बताओ नोटिस एवं वेतन काटने की कार्यवाही की है। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान राजस्व पखवाड़ा में सबसे अधिक शिकायतें पहाडगढ़ ब्लॉक की पाई गई। जिसमें जौरा एसडीएम द्वारा कोई रूचि नहीं ली गई। इस पर कलेक्टर ने जौरा एसडीएम विनोद सिंह को कारण बताओ नोटिस और पहाडगढ़ नायब तहसीलदार हरिओम पचौरी का 10 दिन का वेतन काटने तथा चंबल कमिश्नर को एक वेतनवृद्धि रोकने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने राजस्व पखवाड़ा में एएसएलआर शिरोमण सिंह कुशवाह को 503 की पेंडेंसी तथा बैठक से अनुपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। भू-अभिलेख के डाटा एन्ट्री ऑपरेटर पिछली टीएल बैठक के दौरान प्राप्त निर्देशों के बाद भी दयाल बाजपेयी अनुपस्थित पाये गये, इस पर कलेक्टर ने एक दिन का वेतन काटने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके अलावा राजस्व पखवाड़ा में रिक्त भूमि के प्रकरणों में तहसीलदारों को समय पर सुझाव नहीं देने पर एजेन्सी के रवि का दो दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये।

जिले में ओमिक्रॉन का केस आता है तो स्वास्थ्य अधिकारी तत्परता से तैयार रहें: कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने कहा है कि प्रदेश में तीसरी लहर की आहट शुरू हो गई है, इसके साथ-साथ प्रदेश के इंदौर जिले में ओमिक्रॉन के मरीज भी मिले है। मुरैना जिले में उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान के अलावा दिल्ली से लोगों का आवागमन बना रहता है। अगर ऐसी परिस्थितियों में जिले में ओमिक्रॉन कहीं से आ गया तो स्वास्थ्य टीम तैयार रहे। ऐसा नहीं होना चाहिये कि मरीज के आने के बाद अफरा-तफरी का माहौल बनें। यह निर्देश उन्होंने बैठक के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ रोशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर नरोत्तम भार्गव, नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन, समस्त एसडीएम, समस्त जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, तहसीलदार एवं नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने कहा कि जिले में प्रथम डोज 13 लाख 22 हजार से अधिक और द्वितीय डोज 13 लाख 4 हजार से अधिक लोगों को लग चुका है। इसमें करीबन 17 हजार लोग ऐसे पाये गये है, जिनमें अभी तक प्रथम एवं द्वितीय डोज नहीं लगवाया है। वे लोग नजदीकी केन्द्र पर पहुंचकर कोविड वैक्सीनेशन अवश्य करायें। कलेक्टर ने कहा कि छूटे हुये लोग अगर निवास स्थान से जिले में अन्य कहीं स्थान पर नौकरी, मजदूरी करने के लिये शिफ्ट हो गये है तो वहां की जानकारी दें। कोविड वैक्सीनेशन उसी स्थान पर लग सकता है। उन्होंने कहा कि कई व्यक्ति जिले से बाहर नौकरी, मजदूरी आदि के लिये बाहर चले गये है, वे कोविड वैक्सीनेशन अवश्य करायें। तभी इस महामारी से निजात पा सकते है। उन्होंने कहा कि तीसरी लहर न आये, इसके लिये हम सभी को दो गज की दूरी मास्क है जरूरी आदि नियम अपनाने होंगे। कलेक्टर ने कहा कि 3 जनवरी से 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को वैक्सीनेशन किया जाना है। इसके लिये प्राथमिक तैयारियों की जा रही है। उन्होंने शिक्षा, ट्रायवल, आदिम जाति कल्याण, उच्च शिक्षा, जनपद सीईओ को निर्देश दिये कि वे पोर्टल से 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों की जानकारी निकालें, जिससे मुरैना जिले में शीघ्र, अतिशीघ्र इन बच्चों का वैक्सीनेशन कराया जा सके। उन्होंने कहा कि समस्त एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में बैठक करें, विदेश से आने वाले लोगों की टेस्टिंग करायें। इसके साथ ही एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करें।

अग्रवाल महासभा कैलारस की नवीन कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

2 जनवरी को होगा शपथ ग्रहण समारोह

कैलारस। अग्रवाल महासभा कैलारस की नवीन कार्यकारिणी की बैठक अग्रवाल धर्मशाला में महासभा के मुख्य संरक्षक चिंरोजीलाल सिंघल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य संरक्षक चिंरोजी लाल सिंघल, अध्यक्ष शंकरलाल सिंघल, महामंत्री राधेश्याम बंसल, कोषाध्यक्ष अनिल गोयनर, उपाध्यक्ष संतोषी मंगल एवं उपस्थित समाज बंधुओ ने महाराजा अग्रसेन की पूजा अर्चना कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में महामंत्री राधेश्याम बंसल ने 2 जनवरी 2022 को होने वाले नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह व समाज के सहभोज कार्यक्रम की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि 2 जनवरी को दोपहर 12 बजे अनाज मंडी प्रांगण में अग्रवाल महासभा कैलारस के नव निर्वाचित पदाधिकारी व मनोनीत कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अग्रवाल महासभा के मुख्य संरक्षक रमेश चंद्र गर्ग मौजूद रहेंगे व विशेष अतिथि के रूप में जिला अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष राकेश गर्ग होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल महासभा के मुख्य संरक्षक चिंरोजी लाल सिंघल करेंगे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मनाया कांग्रेस का 137वा स्थापना दिवस

कैलारस। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के कार्यालय पर पार्टी का स्थापन दिवस मनाया। सभी ने पार्टी को मजबूत बनाने की शपथ ली एवं वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण दुवे, पूर्व अध्यक्ष केशव प्रसाद गोयनर, सुरेश उपाध्याय, बिंदु कुरेशी, अशोक जाटव, रामसुमेर शुक्ला, डॉ.शम्मा कुरैशी, प्रवीण करसोरिया, संदीप मरैया, डॉ.वीरेंद्र धाकड़, डॉ.विनोद पलैया, नीरज जाटव, सोना बाथम, जीवन लाल त्यागी, बंटी रजक, शैरू यादव, आजम कुरेशी आदि उपस्थित थे।

02 जनवरी को आयेजित होगा प्रतिभाशाली जैन छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह

देशभर के छात्र-छात्राओं का एक मंच पर होगा सम्मान

अंबाह। अखिल भारतीय जैन समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान समारोह चंबल के अतिशय क्षेत्र सिहोंनियाँ जी में 02 जनवरी 2022 को आयोजित होगा। यह आयोजन ज्ञानार्ष भक्त परिवार द्वारा किया जा रहा है जिसमें पहली बार दिगम्बर श्वेतांबर सहित सभी जैन आमनाय के प्रतिभाशाली बच्चों का एक मंच पर सम्मान किया जाएगा। जानकारी के अनुसार परम् पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की प्रतिभा सम्मान की परंपरा को निरन्तर जारी रखते हुए ज्ञानार्ष भक्त परिवार परम् पूज्य सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में एवं परम् पूज्य आर्यिका आर्शमति माताजी के पावन निर्देशन में यह आयोजन आचार्य ज्ञानसागर अखिल भारतीय जैन छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिहोनियाँ जी में नव वर्ष में 02 जनवरी को आयोजित होने जा रहा है। इस सम्मान समारोह में अखिल भारत वर्ष के सभी सम्प्रदायों (दिगम्बर/श्वेतांबर) के छात्र-छात्राएं जिन्होंने सत्र 2019-20 में 10वीं या 12वीं में 90% या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं अथवा 2020-2021 में किसी भी प्रतियोगिता/उच्च प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए हैं, वे सम्मिलित रहेंगे। सम्मान समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं के आवेदन जमा किये जा चुके हैं, चयनित सभी छात्र-छात्राओं को मार्ग व्यय के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, पदक, बैग, पैन, डायरी, शील्ड, बहुरंगी स्मारिका आदि से सम्मानित किया जायेगा। आयोजन से जुडे आशीष जैन सोनू ने बताया है कि उक्त समारोह 31 दिसम्बर से 02 जनवरी तक चलेगा । इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत प्रथम दिन प्रसिद्ध भजन गायक पारस अम्बर द्वारा भजन संध्या एवं दूसरे दिन 01 जनवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध कवि युगल सौरभ सुमन-अनामिका अम्बर अपनी टीम के साथ काव्य पाठ करेगीं। इस समारोह में भारतवर्ष से लगभग एक हजार छात्र-छात्राएं एवं उनके पालकों के सम्मिलित होने की संभावना को देखते हुए श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी, जैन युवा क्लव, सोनू मित्र मंडल सिहोनियाँ ने सभी के आवास एवं भोजनादि हेतु तैयारियां प्रारम्भ करदी हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेशचंद जैन बंगाली, मुख्य संयोजक मनोज जैन नायक, कार्याध्यक्ष अभिषेक जैन टीटू भैया, महामंत्री अतुल जैन कोषाध्यक्ष सोनू जैन वरहाना, मंत्री सौरभ जैन नायक, विवेक जैन विक्की ने सभी साधर्मी बन्धुओं से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

हम सब फाउंडेशन के युवाओं ने आदिवासी बच्चों को खिलाए खेल व पहनाए गर्म कपड़े

कैलारस। कैलारस एवं सबलगढ़ के युवाओ द्वारा चलाये जा रहे हम सब फाउण्डेशन द्वारा एक सराहनीय प्रयास किया गया, जिसके अनुसार मुगलवार को कैलारस के पास के ग्राम चेंटीखेड़ा जो कि एक आदिवासी क्षेत्र है, वहां हम सब फॉण्डेशन की टीम ने बच्चों बुजुर्ग तथा महिलाओं एवं युवाओं के साथ समय व्यतीत किया व वहां के लोगों की सांस्कृतिक एवं भावनात्मक परिदृश्य को जानने का प्रयास किया। जिसके अंतर्गत टीम के सदस्यों के प्रोत्साहन करने पर महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक गीत गाए गए तथा बच्चों द्वारा डांस किया एवं विभिन्न प्रकार की कलाबाजी का प्रदर्शन किया। इस दौरान फाउंडेशन की टीम द्वारा बच्चों के लिए अनेक प्रकार की खेल प्रतोयोगताएँ रखी गई, जिसमें जीतने वालों को उपहार स्वरूप फुटबाल एवं अन्य पुरुष्कार दिये गए। इसी क्रम में ग्राम के युवाओं को साथ में लेकर एक सभा भी रखी गई। जिसमें लोगो की समस्याओं को जाना एवं जितना संभव हो मदद करने का प्रयास करने का वादा भी किया। इसी क्रम मे हम सब फाउंडेशन द्वारा बच्चे बुजुर्ग, महिला व पुरुषों को सर्दियों के कपड़े वितरित किये गए तथा बच्चों को नमकीन बिस्किट तथा अन्य सामग्री वितरण की गई। साथ ही टीम के सदस्यों द्वारा संकल्प लिया गया कि वह इसी प्रकार निरंतर लोगों से जुड़ने का प्रयास करेगें और जितना हो सकेगा उनकी मदद के लिए सदैव प्रायसरत रहेगें।।

छेडछाड के आरोपी को 03 वर्ष सश्रम कारावास व अर्थदण्ड

मुरैना। पीडिता के साथ छेडछाड करने के मामले में स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो) मुरैना के न्यायालय ने आरोपी सलाम उर्फ इस्लाम पुत्र पप्पू खान, उम्र-24 वर्ष, निवासी जिला मुरैना को धारा 7/8 पोक्सो एक्ट, 323/34 भादवि व 3(1)(एस) एस.सी./एस.टी. एक्ट में दोषी पाते हुये 03 वर्ष के सश्रम कारावास व कुल 5 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त प्रकरण में पैरवी विशेष लोक अभियोजक/अति0 जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा उमरैया ने की एवं सहयोग सहा. ग्रेड-3 गजेन्द्र माहौर तथा प्र.आर. रामबरन गौड के द्वारा किया गया।

सहायक मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने घटना के बारे में बताया कि पीडिता ने थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 24 जुलाई 2017 को शाम के समय लगभग 06 बजे पीडिता अपने मामा की लडकी के साथ खेत में गई थी, उसी समय वहां पर आरोपी सलाम आ गया और बुरी नियत से पीडिता का हाथ पकडकर उसके साथ छेडछाड की, जब पीडिता और उसकी बहन ने छेडछाड का विरोध किया तो उन्होंने पीडिता के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी और वहां से भाग गये। पीडिता की उक्त रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण पॉक्सो एवं एस.सी./एस.टी. एक्ट का होकर गंभीर प्रकृति का था, जिसमें अभियोजन के द्वारा क्रमबद्ध तरीके से साक्ष्य को पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दण्डित किया गया।

अवैध शराब बेचने वाले आरोपी को 01 वर्ष का कठोर कारावास अर्थदण्ड

अवैध शराब बेचने के मामले में न्यायालय श्रीमान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला मुरैना के न्यायालय द्वारा आरोपी गबदा सिंह गुर्जर पुत्र रामजीत सिंह गुर्जर, उम्र 49 वर्ष, निवासी ग्राम चंदील पुरा थाना देवगढ, जिला मुरैना को म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क) (2) में दोषी पाते हुये 01 वर्ष का कठोर कारावास एवं 25 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन सहायक मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि घटना इस प्रकार है कि दिनांक 24 मई 2009 को पुलिस थाना देवगढ जिला मुरैना के उप-निरीक्षक को मुखबिर के जरिये सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चंदीलपुरा निवासी आरोपी गबदा गुर्जर अपने मकान में अवैध शराब को रखकर विक्रय कर रहा है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु उप-निरीक्षक मय फोर्स मुखबिर के बताये स्थान आरोपी गबदा गुर्जर के मकान पर पहुंचे और मौके पर उपस्थित साक्षीगण के समक्ष आरोपी गबदा के घर की तलाशी ली गई तो उसके घर में सफेद देशी शराब की 03 पेटी जिनमें 1500 क्वार्टर थे, जिनमें लगभग 270 लीटर शराब थी, अवैध रूप से रखी हुई थी।

सऊदी अरब में बदलाव स्वागत है...!

इस्लाम के आखिरी पैगम्बर साहब के मुल्क में सत्ता बदलते ही खास बदलाव आने की खबरें आम होती जा रही हैं। दुनिया के पत्रकारों का एक वर्ग इसे अच्छा भी मान रहा है। सऊदी अरब शुरू से ही अमेरिका के खास प्रभावों में माना जाता रहा है। वहाँ की सुरक्षा भी अमेरिकी सरकार देखती आ रही है। सऊदी अरब में इस्लामी कानूनों पर अमल होता आया है। हाथ काटने व गला काटना आम बात रही है, जो मानवतावादियों व दुनियाभर में अच्छा नहीं माना जाता रहा है। इस्लाम यूँ तो समाजवादी व समतावादी कहा जाता है उस पर आम लोग खूब सम्मान करते देखे जा रहे हैं। जयसी, अमीर खुसरो से लेकर संत कबीर गीत, गजलों, दोहों, चौपाइयों के बादशाह तक इसमें देखे जाते हैं। कड़े कानूनों से अपराध भी कम होते हैं फिर भी उन्हें लचीला बनाया जाना ही चाहिये इसलिये ये सब जरूरी भी था।

नाच गाने होंगे

अब सऊदी अरब में शराब परोसी जायेगी, नाच गाने भी होंगे। हज़रत दाऊद के दौर में भी संगीत इस्लाम में जायज हो चुका था। नाच तो अभी भी वहां होता ही है पर कम होता है, लुका छिपी से होता है। लोग दावा करते हैं कि अरब शेख मासूम बच्चों तक को ऊँट पर बंधवाकर दौड़ाते हैं। बच्चे रोते हैं, डरते हैं, गिर कर मर जाने की खबरें भी हैं। हाल ही में यहां शाहरूख खान व अन्य फिल्मी तारिकाओं के खुलेआम डांस शोर होने शुरू हो गये हैं। ये कोई बुरी बातें नहीं पर धार्मिक आड़ में औरतों के हकों को दबाना भी गलत था ना। यहां अभी-अभी औरतों को कार चलाने की इजाजतें मिल सकी थीं। ये कहें कि सऊदी अरब विज्ञान की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है ठीक है। ईरान, ईराक जैसे लोग इससे हैरत में हैं पर विज्ञान की तरफ जाना तो बुराई भी नहीं है।

सरिया का कानून से दूरी

इस बात का स्वागत होना चाहिये कि अरब वाले सरिया कानून से दूरी बनाते आ रहे हैं। कुछ कट्टर मुसलमानों तब्लीगी जमातों से दूरी बनाने जा रहे हैं। अरब की औरतें यकीनन खूबसूरत हैं योरोप, अमेरिका से भी शायद कुछ ज्यादा हों पर बुरके के कवर से उनकी खूबसूरती में ग्रहण लग जाता है। औरतें, बेटियां खूबसूरत हैं तो उसमें उनका क्या गुनाह है उन पर पर्दा डालना जरूरी नहीं है और फिर धर्म तो महज अपना निजी मामला है न। इसमें आपसी बैर न हो वरना तरक्की रुक जाती है। जैसे भारत में इसका असर देखा जा रहा है धर्म की अफीम से आम लोगों को कहीं प्रताड़ित भी किया जा रहा है। इसे प्रशासन नहीं रोक पाता है। मुस्लिम देशों कतर, ईरान, ईराक, बांग्लादेश, यू.ए.ई. आदि में खूब तरक्की की। यहां की महिलायें योरोप, इंग्लैण्ड आदि से पीछे नहीं हैं, कहीं-कहीं आगे हैं। फ्रांस, जर्मन की तो बात ही निराली है। सऊदी अरब को धार्मिक मुल्क माना जाता है वहां तो कड़ाई से सरिया कानून लागू होता आया है जो ठीक नहीं कहा जा सकता है। यहां के राजकुमार ने सत्ता हथिया कर काफी लोकतन्त्र की तरफ चले जाना अच्छी बात है। सऊदी अरब अब और बेहतर तरक्की कर सकेगा।

स्वाधीनता और शिक्षा के अग्रदूत थे पंडित मदन मोहन मालवीय!

श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

जिनकी सोच और कर्मशीलता में राष्ट्रभक्ति, समाज उत्थान तथा कुछ कर गुजरने का जज्बा समाहित रहा है,ऐसे शिक्षाविद् पं. मदन मोहन मालवीय की गिनती उन स्वाधीनता सेनानियों, उन शिक्षा विदों और उन पत्रकारिता के पुरोधाओं में होती है जिनपर आज भी देश गौरव करता है। 25 दिसम्बर 1861 ई. को लालडिंग के कूंचा सावल-दास मोहल्ले में बृजनाथ के घर संध्या को 6 बजकर 54 मिनट पर प्रयाग में जन्मे मालवीय जी की माता का नाम भूना देवी था। उनके पिता पं. बृजनाथ थे। तब कोई नही जानता था कि यह बालक एक दिन देश की स्वतन्त्रता और आत्मनिर्भरता के लिए सिंह गर्जना करेगा। बचपन से ही इनके माता-पिता को ऐसा प्रतीत होता था कि भविष्य में यह बालक बहुत ही होनहार होगा। एक कहावत भी चरितार्थ है कि ÷होनहार बिखान के होत चिकने पात÷ मालवीय जी ने इस कहावत को अपने जीवन में चरितार्थ किया था। पाँच वर्ष की आयु से ही उनकी शिक्षा आरम्भ हुई थी। उस समय प्रयाग में अहिपापुर मौहल्ले में कोई पाठशाला न थी। लाला मनोहर दास रईस की कोठी के चबूतरे पर, जो तीन सवा तीन फीट चैड़ा और दस पन्द्रह फीट लम्बा था, उसी पर टाट बिछा कर एक गुरु जी लड़कों को पढ़ाया करते थे। उन्हें वहां से हरदेव जी की पाठशाला जिसका नाम धर्मोपदेश पाठशाला था। जहाँ से स्थायी रूप से मदन मोहन मालवीय जी ने अपना विद्याध्ययन शुरू किया था। मदन मोहन मालवीय जी ने संस्कृत काव्य, गीता एवं अन्य धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया था। इनमें से मालवीय जी को संस्कृत काव्य ने अधिक प्रभावित किया था।

पंडित मदन मोहन मालवीय का एक सामाजिक-राजनीतिक सुधारक के रूप में ऐसे समय उदय हुआ जब पूरा देश विकट परिस्थितियों में गुजर रहा था। युगपुरुष महामना मदनमोहन मालवीय का जीवन अत्यंत उतार-चढ़ाव भरा रहा। गरीबी झेलते हुए उन्होंने न सिर्फ ज्ञानार्जन किया, बल्कि स्वयं को शिखर पर पहुंचाया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि, शिक्षक, पत्रकार, वकील के रूप में ऐसी अमिट छाप छोड़ी, कि हर कोई आज भी उससे प्रेरणा ले रहा है। 15वीं सदी में वे उत्तर प्रदेश चले आए। मालवा का होने के कारण वे लोग मल्लई कहलाते थे, जो बाद में मालवीय हो गया। मालवीय जी की आरंभिक शिक्षा इलाहाबाद में पूरी हुई। उन्होंने मकरंद के नाम से 15 वर्ष की आयु में कविता लिखना आरंभ कर दिया था और सोलह सत्तरह वर्ष की आयु में उन्होंने एंट्रेंस की परीक्षा पास की। ऐंट्रस पास करने के बाद मालवीय जी म्योर सेंट्रल कालेज में पढ़ने लगे। परिवार के लिए कालेज की पढ़ाई का आर्थिक बोझ वहन करना कठिन था, पर माता ने कठिनाई सहकर, अपने जेवर गिरवी रखकर अपने बच्चे को पढ़ाने का निश्चय किया। प्रिंसीपल हैरिसन ने उन्हें एक मासिक वजीफा दिया। फिर भी मदनमोहन मालवीय को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चाहे मालवीय जी के शिक्षा क्षेत्र में कितनी भी कठिनाई क्यों न आई हो, उन्होंने बैरिस्टर तक की शिक्षा ग्रहण की। विनोद~ कालेज में एक बार आर्यनाटक मण्डली की ओर से %शकुंतला% नाटक का अभिनय हुआ, इसमें मदन मोहन मालवीय को शकुन्तला का पार्ट दिया गया। परदा उठने पर प्रियम्वदा और अनुसूया सखियों के साथ शकुन्तला हाथ में घड़ा लिए रंगमंच पर आयी, तब दर्शक दंग रह गये।

मालवीय जी का विवाह 16 वर्ष की आयु में उनके चाचा पंडित गजाधर प्रसाद के माध्यम से मिर्जापुर के पंडित नन्दलाल की कन्या कुनन देवी से हुआ। वे माता-पिता के दुलार में पली थी। लड़कपन में उन्हें किसी प्रकार के कष्ट का अनुभव नहीं था। ससुराल की आर्थिक दशा ने उन्हें बड़े धैर्य और साहस से निर्धनता के कष्ट सहन करने को बाध्य किया। उन्हें आधा पेट खा कर संतोष करना पड़ता था। फटी धोतियों सी कर पहननी पड़ती थी। वर्ष 1868 में उन्होंने प्रयाग सरकारी हाई स्कूल से मैट्रिक परीक्षा पास की। इसके उपरान्त उन्होंने मायर सेंट्रल कालेज में प्रवेश लिया। कालेज में पढ़ाई करते हुए वर्ष 1880 में उन्होंने अपने गुरु पं? आदित्यराम भट्टाचार्य के नेतृत्व में हिंदू समाज नामक सामाजिक सेवा संघ स्थापित किया। वे

स्कूल के साथ-साथ कालेज में भी कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। उन्होंने लिखा है, ÷मैं एक गरीब ब्राह्मण कुल में पैदा हुआ। इसलिए पढ़ाई का खर्च पूरा करने के लिए एक सेठ के छोटे बच्चे को पढ़ाने जाता था। धार्मिक भावों के प्रति मेरा रुझान बचपन से था। स्कूल जाने के पहले मैं रोज हनुमान जी के दर्शन करने जाता था।÷ वे भारतीय विद्यार्थी के मार्ग में आने वाली भावी मुसीबतों को जानते थे। उनका कहना था, ÷छात्रों की सबसे बड़ी कठिनता यह है कि शिक्षा का माध्यम हमारी मातृभाषा न होकर एक विदेशी भाषा है। सभ्य संसार के किसी भी अन्य भूभाग में उन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।÷

भारतीय स्वातंत्रय आन्दोलन के इतिहास में महामना का व्यक्तित्व स्वतः साक्ष्य रूप में प्रत्येक आन्दोलन से संबंधित रहा है चाहे राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रश्न रहा हो अथवा अछूतोद्धार या दलित वर्ग की समस्या रही हो या हिन्दू-मुस्लिम एकता की। चाहे औद्योगिक, आर्थिक अथवा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विषय रहा हो या राष्ट्रीय शिक्षा के उन्नयन का अथवा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का। इन सभी क्षेत्रों में महामना एक सच्चे सिपाही की भाँति अग्रणी रहे हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय महापुरुष और श्रेष्ठ आत्मा थे। उन्होंने समर्पित जीवन व्यतीत किया तथा धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आदि बहुत से क्षेत्रों में अपने लोगों की उत्कृष्ट सेवाएं की। धमकियों से निडर और प्रलोभनों से अनाकृर्षित उन्होंने अन्याय और क्ररताओं से संघर्ष किया तथा साहस और दृढ़तापूर्वक अपने उद्देश्य की नैतिकता पर दृढ़विश्वास के साथ अपने देशवासियों के सामूहिक हित और उत्कर्ष के लिए 50 वर्ष से अधिक काम किया निःसंदेह उनका व्यक्तित्व उनकी महान् उपलब्धियों से कहीं अधिक प्रतिष्ठित था। मदनमोहन मालवीय का पूरा जीवन भले ही गरीबी में बीता हो लेकिन उन्होंने कभी भी अपने मन में हीन भावना नहीं आने दी और सदा राजा कर्ण जैसी दानवीर होने की सोच रखी। अपने आप में यह बहुत बड़ी बात है कि अगर किसी के पास धन हो तो वह दान कर सकता है। उसमें कोई बड़ी बात नहीं लेकिन जो आदमी अपने परिवार को तीनों समय का भोजन भी पूर्णरूपेण न दे सके और वह आदमी फिर भी दानवीर की सोच रखता हो, यह सबसे बड़ी बात है। मालवीय जी ने चाहे विद्या का दान हो, चाहे किसी गरीब आदमी की मदद की बात हो, समाज उत्थान की बात हो, समाज की कुरीतियों की बात हो, किसी भी क्षेत्र में वे पीछे नहीं हटे।

महात्मा गाँधी का महामना के लिए बहुत आदर था और मदनमोहन का हृदय से सम्मान करते थे वह उनकी कोई बात नहीं टालते थे। उन्होंने ही मदनमोहन मालवीय को %महामना% की उपाधि दी।। उन्होंने महामना के लिए लिखा-%जब मैं अपने देश में कर्म करने के लिए आया तो पहले लोकमान्य तिलक के पास गया। वे मुझे हिमालय से ऊँचे लगे। मैंने सोचा हिमालय पर चढ़ना मेरे लिए संभव नहीं और मैं लौट आया। फिर मैं गोखले के पास गया। वे मुझे सागर के समान गंभीर लगे। मैंने देखा कि मेरे लिए इतने गहराई में बैठना संभव नहीं और मैं लौट आया। अंत में मैं महामना मालवीय के पास गया। मुझे वे गंगा की धारा के समान पारदर्शी निर्मल लगे। मदन मोहन मालवीय अहिंसा के प्रबल समर्थक महात्मा गांधी के श्रद्धा पात्र एवं नियम विधान के पाबंद थे। मालवीय जी उन चंद महापुरुषों में से थे, जिनके गांधी जी चरणस्पर्श करते थे। दोनों ही अपने सिद्धांतों पर अटल रहा करते थे और कभी-कभी इसके चलते उनमें वैचारिक मतभेद भी उत्पन्न हो जाते थे।

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्राय~ मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं। इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकषर्ण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं।

रक्षा क्षेत्र में बड़ी पहल

सिद्धार्थ शंकर

एक समय में भारत अधिकांश रक्षा उपकरणों का आयात करता था, लेकिन अब वह रक्षा क्षेत्र में निर्यातक की बड़ी भूमिका में आ गया है। भारत और रूस के बीच इसी महीने की शुरुआत में हुए 2+2 डायलॉग में देश से बाहर हथियारों के निर्माण को लेकर सहमति बनी है। इसे लेकर कोई करार नहीं हुआ है, लेकिन दोनों देशों के बीच नॉन-पेपर एक्सचेंज हुआ है। इसके तहत सेंट्रल एशिया के देशों कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में हथियारों के उत्पादन का प्रस्ताव है। यह उत्पादन इन देशों में स्थित सोवियत काल की फैक्ट्रियों में ही किया जाएगा। दोनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बनी है और आने वाले दिनों में इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी सेंट्रल एशिया के देशों को भारत के विस्तृत पड़ोसियों को दर्जा देते रहे हैं। हाल ही में इन देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग भी दिल्ली में बुलाई गई थी। इस बैठक में अफगानिस्तान को लेकर चर्चा हुई थी, जिसे लेकर कहा जा रहा है कि भारत एक बार फिर से अपनी पैठ पड़ोसी मुल्क में मजबूत करने की स्थिति में आ गया है। अब यदि सेंट्रल एशिया के देशों में भारत हथियारों के उत्पादन का काम करता है तो यह बड़ी सफलता होगी। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय से हथियारों के आयातकर्ता की बजाय एक्सपोर्टर बनना चाहता है, इस लिहाज से सेंट्रल एशिया के देशों में हथियार उत्पादन बड़ी सफलता होगी। सेंट्रल एशिया के ज्यादातर देशों में रूस के ही हथियारों का इस्तेमाल होता है। अब यहां की सोवियत काल की फैक्ट्रियों में भारत के साथ मिलकर रूस हथियारों का उत्पादन करेगा। कहा जा रहा है कि यहां बने हथियारों को सेंट्रल एशिया के देशों को दिया जाएगा। इसके अलावा भारत की जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। दशकों से भारतीय सेना में भी रूस के बने कई हथियारों, मिलिट्री वाहनों और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। हथियारों के निर्यातक देश बनने की दिशा में भारत के लिए यह अहम कदम होगा। इसके साथ ही भारत को सेंट्रल एशिया

के मुस्लिम बहुल देशों में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे अफगानिस्तान में भी भारत मजबूत स्थिति में आ सकेगा। रूस के जरिए अफगानिस्तान में भारत की एंट्री पाकिस्तान को भी चिढ़ाने वाली होगी। आज हमारे देश की अनेक सरकारी कंपनियां विश्व स्तर के हथियार बना रही हैं और भारत विश्व के 42 देशों को रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत की लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेक इन इंडिया से आगे मेक फॉर वर्ल्ड की नीति पर चलते हुए केंद्र सरकार ने 2024 तक 35 हजार करोड़ रुपए का सालाना रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। वास्तव में भारत की सामरिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है। कोरोना संकट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाया है। अब समय आ गया है कि भारत हर क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करे, क्योंकि अब भी भारत अपनी रक्षा जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत सामान आयात करता है, साथ ही मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक सहित कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आयात होता है। देश में प्रौद्योगिकी के स्तर पर कोरोना संकट के बाद अब बदले हुए भारत की कल्पना करनी होगी, जिसमें हर क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाना होगा। कोरोना संकट की वजह से दुनिया के अधिकांश देश चीन के खिलाफ हैं और चीन से अपनी मैन्युफैक्चरिंग हटाना चाहते हैं। ऐसे में भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर है कि वह इन कंपनियों को भारत में काम करने का मौका दे और साथ में अपनी खुद की स्वदेशी तकनीक और प्रौद्योगिकी विकसित करे। आज हमारे देश की अनेक सरकारी कंपनियां विश्व स्तर के हथियार बना रही हैं और भारत विश्व के 42 देशों को रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है। हमारे घरेलू उद्योगों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई है, इसलिए देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय उद्योग के कौशल संसाधनों और प्रतिभाओं का बेहतर उपयोग करना जरूरी है, क्योंकि आयातित टेक्नोलॉजी पर हम ब्लैकमेल का शिकार भी हो सकते हैं।

विराट व्यक्तित्व - अटल बिहारी वाजपेई

सूडोकु नवताल- 5936

✶✶✶✶✩ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -5935 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शिवप्रकाश

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई 25 दिसंबर 1925 को पिता पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेई एवं माता कृष्णा वाजपेई के परिवार में ग्वालियर में जन्मे थे। 93 वर्ष की अपनी यशस्वी जीवन यात्रा पूर्ण कर 16 अगस्त 2018 को स्वर्ग गमन कर गए। भारत छोड़ो आंदोलन में सहभागिता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, संवेदनशील कवि, यशस्वी राजनेता, मुखर सांसद , प्रखर वक्ता, लोकप्रिय प्रधानमंत्री जैसे अनेक गुणों से युक्त वे एक विराट व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने आदर्श आचरण के आधार पर भारत ही नहीं विश्व के राजनेताओं में अपना अग्रणी स्थान बना लिया। भारतीय जनता के तो वे हृदय पर शासन करने वाले अपने अटल जी थे। इन्हीं सब आदर्श गुण एवं व्यवहार के कारण अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि ÷एक उत्कृष्ट वक्ता, एक प्रभावशाली कवि, एक असाधारण लोकसेवक, एक उत्कृष्ट सांसद और एक महान प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी आधुनिक भारत के सबसे ऊंचे नेताओं में से एक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन हमारे महान देश की सेवा में लगाया। लंबे समय तक हमारा देश उनकी सेवाओं को याद रखेगा।

स्वयंसेवक-पत्रकार- विद्यार्थी काल में अटल जी 1940 में स्वर्गीय नारायण राव तर्टे जी के संपर्क में आकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ विचार से प्रभावित होकर उन्होंने आजीवन प्रचारक रहने का संकल्प किया एवं इस संकल्प का निर्वाह उन्होंने संपूर्ण जीवन किया। उनकी विशिष्ट लेखन शैली से प्रभावित होकर संघ नेतृत्व ने उन्हें लेखन कार्य में लगाया। राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं वीर अर्जुन जैसे पत्रों का संपादन उन्होंने किया। इन पत्रों का लेखन, संपादन, कंपोजिंग एवं छपने के बाद अपनी पीठ पर लादकर यथा स्थान पहुंचाने की व्यवस्था भी वही करते थे। यह सब करते हुए कार्य में मग्न, रात्रि को भूखे - प्यासे ईट का तकिया बनाकर जमीन पर सो जाने की घटनाओं ने कितने ही युवकों को देश सेवा के मार्ग पर चलने के लिए लिए प्रेरित किया है।

राजनीतिक यात्रा- 1942के भारत छोड़ो आंदोलन में 23 दिन के कारावास से उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ की। भारतीय चिंतन के आधार पर राजनीति में विकल्प प्रस्तुत करने के उद्देश्य से डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ के नाम से दल की स्थापना हुई। जो आज भारतीय जनता पार्टी के नाम से विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। स्व0 अटल जी प्रारंभ से ही जनसंघ के साथ जुड़े। जनसंघ एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहकर दल का नेतृत्व भी उन्होंने किया। 1952 में प्रथम लोकसभा चुनाव में वे पराजित हुए। 1957 के लोकसभा चुनाव में बलरामपुर संसदीय क्षेत्र से विजय प्राप्त कर उन्होंने अपनी संसदीय यात्रा प्रारंभ की। अटल जी 10 बार लोकसभा एवं 2 बार राज्यसभा सदस्य रहे। विपक्ष के नेता, विदेश मंत्री एवं प्रधानमंत्री जैसे पदों को उन्होंने गरिमा प्रदान की। अस्वस्थता के कारण 2004 में उन्होंने अपने को राजनीति से अलग कर लिया7

हिंदी भाषा के प्रति गौरवभाव- स्व0 अटल जी हिंदी भाषा के अनन्य पुजारी थे। अटल जी ने हिंदी के गौरव को बढ़ाने का सदैव प्रयास किया। विश्व में अटल बिहारी वाजपेई को हिंदी भाषा को गौरव दिलाने के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा।1977 में संयुक्त राष्ट्र संघ में विदेश मंत्री रहते उन्होंने हिंदी में भाषण दिया। इस प्रसंग को अपनी कविता में हिंद हिंदी में बोला कह कर उन्होंने महिमामंडित भी किया।

भारत मां के अखंड पुजारी- अटल जी ने अपना संपूर्ण जीवन देश को समर्पित किया। उनके लिए भारत भूमि जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता जागता राष्ट्रपुरुष थी। देश के अंदर निवास करने वाले सभी लोग उनके अपने थे। उन्होंने भाषा, जाति, क्षेत्र सभी से ऊपर उठकर व्यवहार किया। यहां की नदियां, पेड़-पौधे, परंपराएं सभी उनके लिए पूजनीय थी। आसेतू हिमाचल इस देश का कण-कण उनके लिए पवित्र था। दूध में दरार पड़ गई कविता के माध्यम से पंजाब में आतंकवाद से उपजी पीड़ा को अटल जी ने व्यक्त किया था। मातृभूमि की पवित्रता का वर्णन करते हुए उन्होंने अपने भाषण में कहा कि यह वंदन की भूमि है, अभिनंदन की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है। इसका कंकड़-कंकड़ शंकर, इसका बिंदु-बिंदु गंगाजल है। हम जिएंगे तो इसके लिए, मरेंगे तो इसके लिए। विकास पुरुष- प्रधानमंत्री के कार्यकाल में अटल जी ने भारत के विकास में नयी गाथा जोड़ी।

पंजाब में आप पार्टी का जलवा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

चंडीगढ़ के नगर-निगम के चुनावों में आप पार्टी को मिली सीटों ने देश के बड़े राजनीतिक दलों को एक धक्का-सा लगा दिया है। नगर निगम के चुनावों में कांग्रेसी आशा कर रहे थे कि उन्हें सबसे ज्यादा सीटें मिलेंगी और महापौर उनका ही बनेगा। ऐसा वे इसलिए सोच रहे थे कि किसान आंदोलन की वजह से भाजपा के वोट तो कटेंगे ही, चरणजीतसिंह चन्नी के मुख्यमंत्री बन जाने के कारण अनुसूचित सीटें तो पकी-पकाई मिल ही जाएंगी। कांग्रेस की सीटें 2016 में चार थीं। वे आठ जरुर हो गई लेकिन उनका वोट 38 प्रतिशत से घटकर 29 प्रतिशत रह गया। इसी प्रकार भाजपा सोच रही थी कि किसान आंदोलन वापस ले लेने का फायदा उसे मिलेगा और हिंदू वोट उसे थोक में मिलेगा ही। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम को भी वह खूब भुनाएगी। मोदी ने भी सिख वोटरों को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्थानीय चुनाव में पार्टी का रंग जमाने में केंद्रीय नेताओं ने भी पूरा जोर लगा दिया लेकिन हुआ क्या? 2016 में भाजपा की 20 सीटें थीं। उसकी बस 12 रह गई। वर्तमान महापौर और कई महापौर हार गए। कुछ उम्मीदवार एकदम मामूली वोटों से जीते। प्रदेशाध्यक्ष का वार्ड हाथ से खिसक गया और सबसे बड़ा धक्का यह लगा कि 2016 में प्राप्त 46 प्रतिशत वोट घटकर 29 प्रतिशत रह गए। भाजपा के दिग्गजों की मात ने यह संकेत भी दे दिया कि पता नहीं भाजपा और अमरिंदर सिंह की मिलीभगत भी कामयाब होगी या नहीं? जहां तक आप पार्टी का सवाल है, पंजाब विधानसभा में उसके 14 विधायक हैं लेकिन चंडीगढ़ नगर निगम में तो उसके पार्षदों की संख्या शून्य थी लेकिन 0 से 14 पर पहुंचना तो आसमानी छलांग के बराबर है। यह ठीक है कि आप पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली में लोक-सेवा के जैसे अभियान चला रहे हैं और उनका जैसा धुआंधार प्रचार टीवी चैनलों और अखबारों में हो रहा है, उसका असर इस चंडीगढ़-चुनाव पर तो पड़ा ही है, खुद केजरीवाल और उनके विधायकों ने भी चंडीगढ़ को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। उन्हें स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। उसमें 5 सीटें कम रह गईं लेकिन उन्होंने सभी पार्टियों के होश फाख्ता कर दिए हैं। उन्हें कुल 27 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो कि कांग्रेस और भाजपा से थोड़े से ही कम हैं। दूसरे शब्दों में तीनों प्रमुख पार्टियां वोटों के हिसाब से लगभग बराबरी के स्तर पर हैं। अकाली पार्टी तो एकदम पिछड़ गई है। हो सकता है कि आप और कांग्रेस मिलकर अपना महापौर बिठा लें लेकिन आप की असाधारण बढ़त के बावजूद यह कहना आसान नहीं है कि पंजाब में अगली सरकार किस पार्टी की बनेगी।

टमाटर की चटनी को स्टोर करने के लिए अपनाएं ये तरीके, लंबे समय तक रहेगी ठीक

कई व्यंजनों का जायका चटनी के बिना अधूरा सा लगता है और चटनी कई तरह की होती हैं लेकिन अधिकतर लोग टमाटर की चटनी खाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसलिए कई लोग टमाटर की ढेर सारी चटनी बनाकर रख लेते हैं लेकिन वह जल्दी खराब हो जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप परेशान न हो क्योंकि आज हम टमाटर की चटनी को लंबे समय तक स्टोर करने के कुछ आसान तरीके बताने जा रहे हैं।

एयर टाइट कंटेनर का करें इस्तेमाल

टमाटर की चटनी को एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करना एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। दरअसल, हवा भी टमाटर की चटनी को खराब करने का कारण बन सकती है क्योंकि हवा में मौजूद बैक्टीरिया खाने को दूषित करते हैं, जिसकी वजह से टमाटर की चटनी जैसी खाने की कई चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए टमाटर की चटनी को हमेशा एयर टाइट कंटेनर में ही स्टोर करना बेहतरीन है।

फ्रिज में करें स्टोर

टमाटर की चटनी को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रखना बेहतर है। इसके लिए पहले आप टमाटर की चटनी को एक डिब्बे में डालें, फिर डिब्बे को फ्रिज में रख दें, ऐसा करने से चटनी जल्दी खराब नही होगी। हालांकि, ध्यान रहे कि टमाटर की चटनी को डिब्बे में रखकर फ्रिज ऑन रखना है। इस तरीके को अपनाने के बाद आप लगभग एक से दो महीने तक चटनी को स्टोर कर सकते हैं।

शीशे के जार में रखें

अगर आप चाहें तो टमाटर की चटनी को स्टोर करने के लिए शीशे के जार का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बस टमाटर की चटनी को शीशे के जार में रखकर किसी ठंडी जगह पर रखें और जब भी चटनी को जार से निकालें तो तुरंत ही उसे बंद कर दे ताकि उस पर हवा न लगे। वहीं, चटनी निकालते समय सूखे चम्मच का इस्तेमाल करें। इस तरह आप महीने भर तक टमाटर की चटनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आइस क्यूब्स बनाकर रखें

अगर आपने टमाटर की चटनी ज्यादा बना ली है और आप उसे लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं तो यह एक अच्छा तरीका है। इसके लिए आप टमाटर की चटनी को बर्फ जमाने वाली ट्रे में भर लें और जमा लें।

बदलाव से ही उनकी जिंदगी में स्थिरता है: प्रियंका चोपड़ा

बालीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपनी जिंदगी से जुड़े कई पहलुओं पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा कि बदलाव से ही उनकी जिंदगी में स्थिरता है और निक जोनास से शादी के बाद इस मंत्र ने अहम भूमिका निभाई है। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी शादी और निक जोनास के परिवार से जुड़े कई सवालों का जवाब दिया। जब उनसे ये पूछा गया कि वो हमेशा अपने पैरेंट्स के रिलेशनशिप जैसा रिलेशन चाहती थीं। जिसमें रोमांस, कविता म्यूजिक सबकुछ हो, तो क्या उन्हें ये सब कुछ मिला। इस पर प्रियंका चोपड़ा ने हंसते हुए कहा कि मुझे वो सब मिला जो मैं चाहती थी।

मुझे अगर ये सब कुछ नहीं मिलता तो मैं सेटल ही नहीं होती। मुझे लगता है कि प्यार जिंदगी में सबसे मुश्किल चीज है और यही एंड गेम भी होता है। इसका मतलब सिर्फ अपने पार्टनर से प्यार करना नहीं बल्कि पूरे परिवार को अपनाना होता है। एक चीज जो मैंने शादी से सीखी है वो ये कि मैं जो काम करती हूं उसका श्रेय अपने पार्टनर को दिए बिना नहीं रह सकती। ये देखना बहुत खूबसूरत है कि जब मैं अपना काम कर रही होती हूं तो निक कैसे अपनी लाइफ को मैनेज करते हैं। मुझे क्या करना है और मेरी क्या पसंद है ये निक के लिए मायने रखती है। मुझे कभी एहसास नहीं हुआ कि मुझे एक चीयरलीडर चाहिए।उन्होंने कहा कि परिवार के अलावा जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है वो है मेरा काम। जब मैं 17 साल की थी तब से लगातार काम कर रही हूं और मुझे कभी एहसास नहीं हुआ कि मुझे कभी जरूरत पड़ी अपने पार्टनर को ये समझाने की, कि इस करियर को बनाने के लिए मैंने कितनी मेहनत की है। एक ऐसा पार्टनर होना शानदार है जो इसकी सराहना करे। शादी के बाद मुझे शांत करने में निक ने मेरी मदद की है।प्यार का एक ही तरीका होता है कि इसमें पूरी तरह अपने आप को झोंक दो। लेकिन इसका मतलब है कि जिससे आप प्यार करते हैं वो भी पूरी तरह आपसे प्यार करे। इतना बड़ा बोझ आप अकेले लेकर नहीं चल सकते।

नोरा फतेही ने की बोल्डनेस की सारी हदें पार, मुंबई की सड़कों पर रिवीलिंग ड्रेस पहने आईं नजर

बॉलीवुड में अपने बेहतरीन डांसिंग स्किल्स और लुक्स के लिए पॉपुलर एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही एक बार फिर हैडलाइन्स का हिस्सा बन गई हैं। इसकी वजह उनका बेहद बोल्ड अवतार है जो अब से कुछ देर पहले मुंबई में देखने को मिला। नोरा फतेही का ये बोल्ड अवतार अब इंटरनेट का पारा बढ़ाता दिख रहा है। नोरा फतेही को उनके गजब के डांसिंग स्किल्स और परफेक्ट लुक्स के लिए खासा पसंद किया जाता है। वो जहां भी जाती है सबकी नजरें उन्हीं पर जा टिकती हैं। ऐसा ही कुछ अब से कुछ देर पहले भी देखने को मिला जब नोरा को मुंबई की सड़कों पर मीडिया द्वारा स्पॉट किया गया। इस दौरान नोरा का लुक देखते बन रहा था। उन्हें जिसने भी देखा उनकी नजरें नोरा पर जा टिकी। नोरा को मुंबई के कोलाबा इलाके में सफेद रंग की रिवीलिंग ड्रेस पहने स्पॉट किया गया। नोरा का ये अंदाज उनके अब तक के सभी लुक्स पर भारी पड़ता दिखा। नोरा व्हाइट कलर के डीप नेक आउटफिट में खूब जंच रही थीं। उन्होंने इस फिटेड बॉडीकॉन थाईकट ड्रेस को परफेक्ट अंदाज में पहना था। नोरा ने साथ में व्हाइट कलर की हाई हील्स वैली पहनी थी। नोरा बेस मेकअप, लाइट कर्ल हेयर लुक में दिखीं। वो हमेशा की तरह बेहद अट्रैक्टिव दिखीं। उनका फिट फिगर इस बॉडीकॉन ड्रेस में जमकर फ्लॉन्ट होता दिखा। नोरा ने अपने इस बोल्ड अवतार में जमकर पोज दिए। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में भी नजर आ सकते हैं अजय देवगन

निर्देशक रोहित शेट्टी कोई फिल्म बनाएं और उसमें अपने प्रिय अजय देवगन को शामिल ना करें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। यही वजह है कि उनकी ज्यादातर फिल्मों में अजय ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। अजय को रोहित अपना लकी चार्म मानते हैं। अब खबर है कि उनकी फिल्म सर्कस में भी अजय दिखाई देंगे। वह फिल्म के एक गाने में ठुमके लगाते नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के स्पेशल गाने की शूटिंग जून में हो चुकी होती, लेकिन उस दौरान अजय अपनी दूसरी फिल्मों में व्यस्त थे। लिहाजा शूट आगे बढ़ा दिया गया। अब सुनने में आ रहा है कि रोहित शेट्टी अगले दो महीने यानी नवंबर में गाने की शूटिंग करने वाले हैं। शूटिंग ऊटी में होगी। इसमें अजय एक शानदार अवतार में नजर आएंगे। रोहित शेट्टी काफी बड़े स्तर पर गाने को शूट करने की तैयारी में हैं।

बता दें कि अजय देवगन, रोहित शेट्टी के पसंदीदा अभिनेता हैं। यही कारण है कि उनकी हर फिल्म में अजय जरूर होते हैं। उनकी फूल और कांटे, गोलमाल, सिंघ, गोलमाल रिटर्न, ऑल द बेस्ट, गोलमाल 3, सिंघम, सिंघम रिटर्न, बोल बच्चन और गोलमाल अगेन जैसी सभी फिल्मों में अजय देवगन थे। रोहित की पिछली फिल्म सिम्बा में भी अजय शामिल थे। यहां तक कि उनकी आगामी फिल्म सूर्यवंशी में भी अजय एक खास भूमिका में नजर आएंगे। बात करें फिल्म सर्कस की तो इसमें ना सिर्फ अजय देवगन, बल्कि दीपिका पादुकोण भी मेहमान भूमिका निभाएंगी। फिल्म के हीरो रणवीर सिंह हैं।

विशाल भारद्वाज की फिल्म खुफिया में नजर आएंगे अली फजल और तब्बू

तब्बू बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। अपनी खूबसूरती, अदा और अंदाज से उन्होंने लाखों प्रशंसकों को दीवाना बनाया है। इस साल वह कई प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में रही हैं। तब्बू के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी सामने आई है। वह मशहूर फिल्म निर्देशक विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म खुफिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। इस फिल्म में अभिनेता अली फजल भी नजर आएंगे। फिल्ममेकर विशाल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का ऐलान किया है। विशाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म से संबंधित जानकारी साझा की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक जासूसी थ्रिलर फिल्म खुफिया को साझा करते हुए रोमांचित हूं। यह जासूसी पर आधारित थ्रिलर फिल्म है, जो जल्द ही केवल नेटफ्लिक्स पर आएगी। तब्बू ने विशाल की फिल्म हैदर में भी काम किया था। शाहिद कपूर और श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म में नजर आए थे। यह फिल्म अमर भूषण के जासूसी उपन्यास एस्केप टू नोव्हेयर पर आधारित है। वामिका गब्बी और आशीष विद्यार्थी फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में हैं। तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया है। इस फिल्म के जरिए विशाल डिजिटल दुनिया में कदम रखने वाले हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए नेटफ्लिक्स के साथ हाथ मिलाया है। निर्देशन के साथ फिल्म निर्माण की जिम्मेदारी विशाल के कंधे पर होगी। खुफिया एक रॉ ऑपरेटिव कृष्णा मेहरा की कहानी है, जिसे भारत के सुरक्षा से जुड़े रहस्यों को ट्रैक करने के लिए जिम्मेदारी दी जाती है। यह फिल्म 2022 में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म के अलावा अली और तब्बू विशाली की आगामी फिल्म कुत्ते में भी दिखने वाले हैं। इस फिल्म से विशाल के बेटे आसमान निर्देशन की दुनिया में कदम रखेंगे।

सपना सिकरवार ने हप्पू की उलटन पलटन में अपने किरदार के बारे में बात की

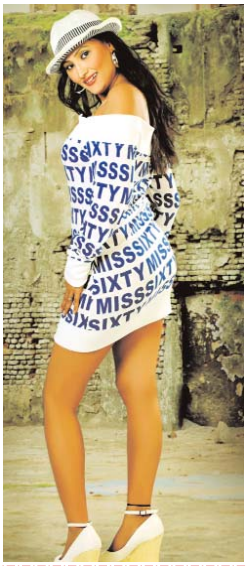

अभिनेत्री सपना सिकरवार डेली सोप हप्पू की उलटन पलटन में बिमलेश की दिलचस्प और चुलबुली भूमिका निभाने जा रही हैं। कई हास्य भूमिकाएं करने के बाद, सपना सिकरवार बिमलेश की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री कहती हैं कि शो में बेनी की प्रेमिका के रूप में बिमलेश के चरित्र के बारे में बहुत सारी साजिश और रुचि है। शो के उत्साही प्रशंसकों ने केवल बिमलेश का नाम सुना था, लेकिन उसे कभी नहीं देखा था। इसलिए, जब निमार्ता मुझे इस भूमिका की पेशकश की, मैं खुशी से झूम उठी। राजेश (कम्मा पाठक), बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) की अस्वीकृति से लेकर बिमलेश तक उससे दूर रहने तक, उनकी प्रेम कहानी हमेशा एक भव्य मिलन से कम नहीं थी। लेकिन दर्शकों के आश्चर्य और बेनी की खुशी के लिए, बिमलेश 13 सितंबर को शो में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सपना आगे कहती हैं कि बिमलेश का चरित्र निस्संदेह सबसे प्रतीक्षित रहा है, और मैं इस भूमिका के लिए चुने जाने के लिए रोमांचित हूं। जिस चरित्र को दर्शक इतने लंबे समय से सुन रहे थे, वह अब एक चेहरा के रूप में सामने होगा। अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, सपना ने विस्तार से बताया कि बिमलेश राजेश की छोटी बहन है और बेनी की प्रेमिका है। वह और बेनी एकतरफा रिश्ते में रहे हैं। वह चुलबुली और जीवंत हैं। वह नाटक से भरी हुई है और अतिरंजित स्थितियों से प्यार करती है जो अक्सर संघर्षों को हवा देती है। कहानी इस प्रकार है, प्यार में उदास बेनी को बिमलेश की याद आती है और एक दिन उसके साथ रहने का सपना देखता है। उसके आस-पास के सभी लोग उसके दुख को देख सकते हैं।

इन मुख्य पांच कारणों से झड़ते है आपके बाल, जानिए इनके उपाय

हर कोई अच्छे बाल रखने की चाह रखता है, लेकिन झड़ते बालों के कारण आपकी ये चाहत अधूरी ही रह जाती है। इस कारण से कुछ लोग तो महंगे से महंगा शैंपू और कंडिशनर इस्तेमाल करते हैं फिर भी झड़ते बालों से परेशान रहते हैं और अपनी उम्र से ज्यादा बड़े लगने लगते है। इस समस्या से बचने के लिए आपको इसके कारण पता होने चाहिए। तो आइए जाने इसके कारण और उपाय।

बाल झड़ने के मुख्य कारण हैं-

आनुवंशिकता, कुछ दवाएं और तनाव

आनुवंशिकता : इसका मतलब यह है कि अगर आपके परिवार में माता-पिता में से किसी को बाल झड़ने की समस्या है, तो यह आपको भी हो सकती है। इसमें आगे के हिस्से के बाल गिरने लगते हैं या कम होने लगते हैं। दवाइयां: कैंसर, गठिया, डिप्रेशन आदि रोगों के उपचार कि दवाईयां भी बालों के झड़ने का कारण बनती हैं। तनाव: बालों के कमजोर होने का प्रमुख कारण शारीरिक या मानसिक रूप से तनावपूर्ण होना है।

हार्मोन में बदलाव और कुछ हेयर स्टाइल भी हैं बाल झड़ने के मुख्य कारण

हार्मोन में बदलाव: डॉक्टरों का कहना है कि हार्मोंस में बदलाव के कारण भी बाल झड़ते हैं। हार्मोंस में बदलाव गर्भावस्था, बच्चे को जन्म देते हुए, रजोनिवृत्ति, थायरॉयड आदि के कारण होते हैं। कुछ हेयर स्टाइल और हेयर ट्रीटमेंट: कुछ हेयर स्टाइल जो बालों पर दबाव डालते हैं, वे भी बालों के झड़ने का कारण हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ घरेलू उपचार जैसे गर्म तेल आदि जो कि हमारे बालों के झड़ने का कारण बन जाता है।

उपाय-1

ये कुछ उपाय जो बचा सकते है आपके बालों को झड़ने से: आनुवंशिकता पीड़ित लोगों के बालों को झड़ने से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन कुछ उपायों से झड़ते बालों की समस्याओं को ठीक किया जा सकता है। वह उपाय इस प्रकार हैं: 1) टाइट हेयर स्टाइल जैसे चोटी और पोनीटेल न बनाए। ज्यादा बालों को खींचने या मोड़ने में उलझे न रहें। 2) दवाइयों के सेवन से बचें, जो बालों के झड़ने का कारण होती हैं। 3) आर्टिफ़िशियल बालों का उपचार जैसे हॉट रोलर्स, कर्लिंग आयरन से बचें।

उपाय-2

अन्य उपाय जो बचा सकते है आपके बालों को झड़ने से: 4) अपने बालों को हल्के हाथों से धोएं और कंघी करें। कंघी करने के लिए, चौड़े दांतों वाली कंघी का ही इस्तेमाल करें। 5) अपने बालों को तेज धूप और यूवी किरणों के अन्य स्रोतों से बचाएं।

कुब्रा सैत ने वेब शो के लिए शाहिद कपूर संग शूटिंग के दिए संकेत

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने सोशल मीडिया पर एक तीखे कमेंट में बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर के साथ आगामी वेब सीरीज में काम करने का संकेत दिया है। उन्होंने फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके की एक पोस्ट पर टिप्पणी की। राज और डीके ने प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ बताए बिना अपने सोशल मीडिया पेज पर शाहिद को टैग किया और कहा कि वे कुछ रोमांचक देख रहे थे। कुब्रा और कबीर सिंह स्टार ने फिर उस पर टिप्पणी की, जिस पर राज और डीके ने जवाब दिया, जैसे ही आप सेट पर आते हैं.. निर्देशक की जोड़ी की प्रतिक्रिया ने उत्सुकता पैदा कर दी कि क्या कुब्रा आगामी अनटाइटल्ड वेब सीरीज के कलाकारों में शामिल हो रही हैं, जो शाहिद के डिजिटल डेब्यू को चिह्नित करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो में विजय सेतुपति और राशि खन्ना भी हैं। कुब्रा को सेक्रेड गेम्स, रिजेक्टएक्स, द वर्डिक्ट-स्टेट वर्सेज नानावती जैसी वेब सीरीज में उनके काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने जवानी जानेमन और डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

पार्टी में युवाओं को आगे आने की जरूरत तभी मिलेगी पार्टी को मजबूती: डॉ गोविंद सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

कांग्रेस कार्यालय पर बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया 137 वाँ स्थापना दिवस

वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर कांग्रेस पार्टी की स्थापना दिवस की दी शुभकामनाएं

भिण्ड। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी का 137 वाँ स्थापना दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय पर 28 दिसंबर मंगलवार को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया।जिसमें पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने की।सर्वप्रथम डॉ गोविंद सिंह ने झंडा वंदन किया तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए काफी कुछ बताया। वही डॉ गोविंद सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के नेताओं द्वारा युवाओं को आगे लाने की जरूरत है।तभी पार्टी को मजबूती मिल सकती है।वही पार्टी के नेताओं को समझाते हुए कहा कि जल्द से जल्द जिलेभर की कार्यकारिणी गठित करें तभी कांग्रेस पार्टी धरातल पर मजबूत हो सकती है।कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र,वार्ड,गांव कस्बे में जाकर मेहनत करें और लोगों को भाजपा की जन विरोधी नीतियों को उजागर करने का काम करें,एवं कांग्रेस की विचारधाराओं से अवगत कराएं तब कहीं जाकर पार्टी जिलेभर में विस्तार करेगी।जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का कांग्रेस के स्थापना दिवस पर भेजें गए संदेश को पढ़कर सुनाया।

***आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी की पांचों विधानसभा में लहराएगा कांग्रेस का परचमः मानसिंह कुशवाहा:** कांग्रेस जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने भाजपा की दोहरी राजनीति के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि विगत 2 दिन पहले प्रधानमंत्री की मन की बात के कार्यक्रम में बाल्मीकि समाज के नेता के यहां पर भाजपा के नेताओं की गैर उपस्थिति इस बात का उदाहरण देती है।कि भाजपा किस प्रकार की विचारधाराएं रखती है। वही जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने पार्टी के कार्यकर्ता गुड्डू बाल्मीक को माला पहना कर कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी जाति धर्म भेदभाव को परय रखकर समानता की दृष्टि से देखती है। कांग्रेस पार्टी में ओछी मानसिकता को बिल्कुल भी जगह नहीं है। वही जिला अध्यक्ष ने कहा कि मे प्रयासरत हूं कि सभी को साथ लेकर आने वाले समय में पांचों विधानसभा में कांग्रेस का परचम लहराए। बता दें कि यह स्थापना दिवस जिला कार्यालय के अलावा एवं ब्लॉक स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा भी मनाया गया,स्थापना दिवस में मुख्य रूप से डॉ राधेश्याम शर्मा,खिजर मोहम्मद कुरेशी,बाबा भगवानदास सैंथिया, गजेंद्र सिंह भदौरिया, संदीप मिश्रा,धर्मेंद्र उर्फ पिंकी भदौरिया,राहुल सिंह कुशवाह,रणजीत सिंह गुर्जर, विनोद पंडित, सुमित बघेल, राजवीर बघेल,श्रीमती रेखा भदौरिया,श्रीमती रीना चौहान,श्रीमती ममता मिश्रा, समीर भदौरिया, वरिष्ठ नेता राम प्रकाश यादव ,रणविजय सिंह भदोरिया बृजेंद्र सिंह कल्लू,वीरेंद्र यादव,बलराम जाटव,पंकज त्रिपाठी,आशुतोष शर्मा,रॉकी तोमर,अरविंद सोनी,अमित शिवहरे, रामबरन आदि के अलावा सैकडों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता से उपस्थित रहे।

रोजगार मेला 30 दिसम्बर को

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी- 28 दिसंबर 2021 आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी द्वारा 30 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03.30 बजे तक रोजगार कार्यालय परिसर शिवपुरी में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री स्वप्निल श्रीवास्तव ने बताया कि रोजगार मेले में ऑल इन वन शिवपुरी, आईएफएफडी मैन्युफैक्करिंग प्रोडक्शन शिवपुरी एवं एसबीआई लाइफ इन्श्योरेंश भाग लेंगी। जिसमें ड्रेस मैकर, सेल्स मार्केटिंग, सेल्स एग्ज्यूकेटिव, मास्टर ट्रेनर, रिसेप्सनिष्ट, ट्रेनी, बीमा अभिकर्ता एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर आदि पदों पर महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में भाग लेने के लिए योग्यता 10वीं पास से स्नातक तथा आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष तक रहेंगी। इच्छुक आवेदक/आवेदिका रोजगार मेला में भाग लेने हेतु अपने साथ सभी अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड एवं पासपोर्ट साइज फोटो आदि लेकर उपस्थित होंगे। समस्त रोजगारोन्मुखी गतिविधियों में भाग लेने के लिए सेनेटाइजर का इस्तेमाल करना, मास्क पहनना एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य है।

वन-टू-वन

रिटायर्ड बाबू को 8 सालों से लगातार कर रही महिला परेशान, अवैध कब्ज़ा और पेड़ काटना उसका लगातार जारी।

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी - खबर शिवपुरी के एसपी ऑफिस से आ रही है जहां एक रिकार्ड बाबू को पिछले 8 सालों से लगातार एक महिला परेशान कर रही है जो अवैध कब्जा और बड़े बड़े वृक्ष को काट रही है जब बाबू द्वारा उसको समझाया जाता है तो वहीं बाबू को रेप की धमकी देने लग जाती है। और कहती है कि तुम एक सरकारी कर्मचारी हो अगर मैंने झूठ बोल दिया और झूठा आरोप लगा दिए तो तुम्हारी नौकरी चली जाएगी। जिसके चलते आज रिटायर्ड बाबू ने एसपी शिवपुरी को आवेदन दिया वहीं एसपी ने जल्द से जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया

भावी में चारभुजा मन्दिर समिति के चुनाव सम्पन्न।

पुष्पाजंली टुडे

जोधपुर –सीरवी समाज चारभुजा मंदिर देवरा का चौक ट्रस्ट का भावी में सोमवार को हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर डूंगर राम ठेकेदार कोषाध्यक्ष जोधा राम अध्यापक एवं सचिव भंवरलाल मैनेजर ,उपाध्यक्ष गोपाराम दमावत बनाए गए एवं नई प्रबंध कारिणी के 12 सदस्यों गाँव से और 13 सदस्य व्यापारी राजस्थान के अलावा अन्य जगह पर व्यापार करने वाले को चुना गया । चुनाव प्रक्रिया कानाराम बर्फा के नेतृत्व में आरम्भ हुआ ।इन सभी पदाधिकारियों को सर्वसमति से चुना गया इस मौके पर डूंगरराम बर्फा, बाबूलाल, जोधाराम बर्फा दुर्गाराम बर्फा,रतनलाल सीरवी, नारायणलाल ,भवरलाल,गोपाराम, ओमाराम,शंकर लाल बर्फा, सहित कई जने मौके ओर मौजूद थे । ये जानकारी गोविन्द सीरवी द्वारा दी गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने दिग्विजय सिंह के बयान पर किया पलटवार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड ।भाजपा जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर एवं प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया ने कांग्रेसी नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के द्वारा गौ माता पर की गई मास की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने इस प्रकार का बयान देकर सारे हिंदू समाज के साथ कुठाराघात कर अपनी ऊंची मानसिकता को प्रदर्शित किया द्य

भाजपा जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर एवं राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा कि कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आया है 7 हम जब गाय को अपनी माता मानते हैं जिसके शरीर में 36 करोड़ देवताओं का वास हो इस प्रकार की कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह के द्वारा की गाय का मांस खाने में कोई बुराई नहीं की बात अगर कहीं जाए तो इससे हमारा सारा हिंदू समाज को कठोर आघात किया है और हमारी गौ माता को अपमानित किया है जो व्यक्ति अपने घर में गौ माता की पूजा करते हैं गौ माता की सेवा करते हैं उनके बारे में अगर इस प्रकार की टिप्पणी कांग्रेस के नेता द्वारा की जाती है तो वह अत्यंत निंदनीय है द्य पार्टी जिला अध्यक्ष गुर्जर एवं राज्यमंत्री भदौरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा आपसे ही नहीं हिंदुओं पर धर्म विरोधी, ध्यान देकर हिंदू विरोधी विचारधारा को अपनाते रहे हैं जिसे हिंदू समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा भाजपा जिला अध्यक्ष गुर्जर एवं राज्यमंत्री भदौरिया ने दिग्विजय सिंह को सलाह दी है कि वे राष्ट्र विरोधी बयान को बदलकर गौमाता से माफी मांगना चाहिए।

50 वर्ष पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार कर की हनुमान प्रतिमा की स्थापना

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

जिले की लांज तहसील के ग्राम देवलगांव के गांधी चौक स्थित वर्षो पुराने हनुमान मंदिर का सार्वजनिक रूप से जिर्णोद्धार करने के उपरान्त वहां स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा को पुन~ स्थापित कर विधिवत पूजन अर्चन कर प्राणप्रतिष्ठा किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुये पं.संतोष दुबे ने बताया कि यह हनुमान मंदिर लगभग 50 वर्षो से अधिक पुराना है एवं छोटे रूप में बना था, जिसका कि ग्रामवासियों द्वारा सभी का सहयोग प्राप्त कर मंदिर को भव्य रूप प्रदान किया गया। 28 दिसम्बर मंगलवार को प्रात~11 बजे प्रतिमा का विधि विधान पूर्वक अभिषेक व पूजन अर्चन कर प्राण प्रतिष्ठा करने के पश्चात संगीतमय सुन्दरकाण्ड एवं हनुमान चालिसा का भजन मंडलियों द्वारा पाठ करने के उपरान्त हवन आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने अपनी उपस्थिती दर्ज कर प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान प्रमुख रूप से ग्रामीण योगेश बरई, कमलेश रहागंडाले, हेमेंद्र रहागंडाले, वासुदेव रहागंडाले, प्रदीप रहांगडाले, नितीन हरिनखेडे, भोजेश्वर रहांगडाले, अवतार टेभंरे, नवीन टेभंरे,सुखदेव रहांगडाले ,अरुण टेभंरे, दिनेश टेभंरे ,जीतू ठाकरे ,संजीव ठाकरे, सुभाष रहांगडाले, डीलेश टेभंरे, लिखन ठाकरे, सोमेश्वर हरिनखेड़े, राजेश चौधरी ठाकरे, कृष्णा चौधरी, नवल मानकर, मुकेश गंदे, नोहर आगासे, देवा ठाकरे, कल्लू बागडे एवं सभी ग्रामीणों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगरूपी योगदान रहा।

शासन की योजनाएं सिमटी केवल कागजों तक,नहीं मिल पा रहा है आम जनता को लाभ

दैनिक पुष्पांजलि टुडे।

संवाददाता विवेक पाण्डेय।

मोबा - 7509181732

शासन की योजनाएं केबल कागजों में पहुंचा रही है जनता को लाभ परंतु अगर हम जमीनी स्तर पर देखें तो आम जनता को नहीं मिल पा रहा है शासन की इन योजनाओं का लाभ ऐसा ही एक मामला ग्राम पुलावली भिण्ड में देखने में आया है कि एक व्यक्ति जिसको कुछ समय पूर्व असामाजिक तत्वों द्वारा मार दिया गया उसको संबल योजना के तहत मरणोपरांत दुर्घटना मृत्यु के 400000 रुपए प्राप्त होने थे परंतु प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उसकी मृत्यु को साधारण मृत्यु बता कर नहीं दिया गया मुआवजा। शिकायतकर्ता शैलेंद्र सिंह राजावत द्वारा पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया गया कि लॉकडाउन के समय कुछ विवाद के चलते गांव के कुछ लोगों द्वारा शिकायतकर्ता के भाई को बल्लम रौड द्वारा मार दिया गया था जोकि एक दुर्घटना मृत्यु के अंतर्गत आती है परंतु गांव के सचिव द्वारा शिकायतकर्ता के आवेदन पर उसके भाई की मृत्यु पर सामान्य मृत्यु की टीप लगा दी गई जिससे शिकायतकर्ता को चार लाख के स्थान पर महज ?200000 शासन द्वारा मंजूर किए गए जिसको शिकायतकर्ता द्वारा स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि अगर शिकायतकर्ता इस राशि को स्वीकार करते तो शासन द्वारा उनके भाई की मृत्यु को सामान्य मृत्यु करार दिया जाता और हत्या में शामिल सभी आरोपी बरी कर दिए जाते हैं।

कांग्रेस ने कांग्रेस ने मनाया 137 वां स्थापना दिवस

गोहद-आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा गोहद विधायक कार्यालय पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 137 वां स्थापना दिवस मनाया गया भारतीय राष्ट्रीय

कांग्रेस की 137 वर्ष पूर्व स्थापना हुई थी जब से कांग्रेस ने संस्थाएं संभालते हुए देश को आगे बढ़ाने में योगदान दिया कांग्रेस पदाधिकारियों ने पूरे देश में स्थापना दिवस बड़े जोर शोर से के साथ मनाया है इसी तारतम्य में वाद विधायक मेवाराम जाटव के बंगले पर अभी हाल ही में नियुक्त हुए ब्लॉक अध्यक्ष आशीष गुर्जर द्वारा झंडा वंदन किया गया तत्पश्चात राष्ट्रगान किया गया इस अवसर पर उनके साथ टोनी मुद्गल , गणेश राम शर्मा संग्राम सिंह ,कुलदीप गुर्जर, रामहेत जाटव, राजू गुर्जर अवधकिशोर उर्फ बंटी गुर्जर रामजी गुर्जर कैलाश माहोर रमजानी खान,साबू खान,नरोत्तम चौरसिया, जीतू गुर्जर, डी पी खन्ना, विजय निगम, अजीत शर्मा, डॉ. शिवचरण जयंत, महेश कौशल एवं अन्य कार्यकर्ता सम्मिलित हुए.

पन्द्रह लाख रूपये की फिरौती के लिये किये गये बच्चे के अपहरण काण्ड का खुलासा

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी-खबर शिवपुरी के सिरसौद थाना क्षेत्र की है जहाँ दिनांक 25.12.2021 को फरियादी दामोदर पुत्र रामजीलाल यादव उम्र 40 साल निवासी भावखेडी ने थाने आकर रिपोर्ट की कि मेरे भतीजे नरेन्द्र यादव का लड़का उम्र 06 साल निवासी भावखेडी का अपहरण किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिन मे 03.00 बजे लगभग कर लिया है। कही कोई पता नही चला तब फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूध्द अप.क्र.295/21 धारा 364 ए भादवि कायम कर विवेचना मे लिया फरियादी दामोदर ने अपनी रिपोर्ट मे ये भी लिखवाया था कि 04.26 बजे मेरे मोबाईल नम्बर 9109890780 पर फोन.न.9109032328 से फोन आया था बोल रहा था कि बच्चा हरिओम मेरे पास है। पैसे तैयार रखना , ज्यादा होशियारी नही करना इसके बाद फोन बन्द कर लिया। उक्त प्रकरण छोटे बच्चे का फिरौती वावत अपहरण का होने से प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री राजेश सिह चन्देल साहब व श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रवीण भूरिया साहब एव श्रीमान एसडीओपी महोदय पोहरी श्री निरंजन सिह राजपूत साहब द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र की नाकाबंदी की और सभी अधिकारी व आस-पास के थाना प्रभारीगण व एडी टीम,सायबर टीम मौके पर आ गई । सभी लोगो ने मिलकर घेराबन्दी की तो घबराकर आरोपियो ने बच्चे को गाँव मे ही रोड पर छोड दिया बच्चे की दस्तयाबी पश्चात पूछताछ की गई तो उसने गाँव के एक व्यक्ति का नाम बताया जिसको गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मैने व गाँव के ही एक मित्र ने दो माह पूर्व बच्चे को अगवा कर पन्द्रह लाख रूपये फिरौती माँगने की योजना बनाई थी किन्तु बच्चे को अगवा करने का मौका दिनाँक 25.12.2021 को मिल पाया । क्योकि अपहृत बच्चा अपने मित्र के साथ अक्सर मार मे खेलने आ जाता था जिसे हम लोग काफी दिन से देख रहे थे ,बच्चे को अगवा करने के बाद आरोपी ने उसे मार मे स्थित सरसों के खेत मे रखा था एवं आरोपियों ने बच्चे के परिजनो को फोन करने के लिए एक फर्जी सिम की व्यवस्था की हुई थी। इस अपहरण काँड मे उक्त दोनो आरोपियो के अलावा एक आरोपी और सम्मिलित था जो गाँव मे रहकर गाँव मे होने वाली हर हरकत की सूचना मोबाईल के द्वारा इन तक पहुचा रहा था पुलिस ने इन तीनो आरोपियो को गिरफ्तार कर माननी. न्यायालय पेश किया है ।

योगिता वार्डे द्वारा लिखी गयी यह किताब ÷कुकर की सीटी÷ नाटक संग्रह है जो लॉकडाउन के दौरान लोगों की स्थिति और कठिनाइयों पर प्रकाश डालती है। इस किताब में लेखिका ने न केवल लोगों की आम समस्याओं का विस्तार किया है बल्कि उन समस्याओं को विभिन्न आयु वर्गों के हिसाब से प्रस्तुत किया है। यह नाटक मजेदार और दिलचस्प हैं।

सभी नाटक लॉकडाउन पर आधारित हैं और हम सभी ने इसका सामना किया है। लॉकडाउन के दौरान हम सभी ने बहुत कुछ झेला भी है पर सभी का संघर्ष और समस्याएँ अलग-अलग थी।

लेखिका ने सभी महत्वपूर्ण बातों पर प्रकाश डाला है जैसे कि %कैसे एक गृहिणी ने शादी में 30 साल के लॉकडाउन का सामना करने के बाद खुद के लिए खड़े होने का फैसला किया और अन्य पात्रों ने अपने लंबे समय से भूले हुए सपने को याद किया और लॉकडाउन ने एक लड़की को दूसरा मौका दिया, जो शादी करने वाली थी और सबसे दुखद बात यह है कि एक परिवार ने दो बच्चों के साथ बिना खाना खाए और बचने की उम्मीद के साथ 5-6 दिनों तक पैदल चलने का फैसला किया। इन नाटकों के कुछ दृश्य मजाकिया हैं फिर भी ये नाटक हमारे समाज की कठोर और दुखद वास्तविकता को उजागर करते हैं। सिर्फ साथ रहना शादी का असली मतलब नहीं होता है शादी में प्यार भरोसा होना चाहिए और अधिकार की बात तो बिलकुल नहीं होनी चाहिए।

(पुस्तक से पंक्तियाँ)

यह किताब केवल मनोरंजन के लिए पढ़ी जाने वाली नहीं है, यह इससे कहीं अधिक है।युवाओं का ध्यान हिंदी नाटकों की ओरआकर्षित करने के लिए यह एक बेहतरीन पहल है क्योंकि इस पुस्तक में पाठकों को बाँधे रखने के लिए हास्य और भावनाओं जैसी महत्वपूर्ण चीजें हैं।

यह पुस्तक उन सभी के लिए अनुशंसित है, जिन्होंने लॉकडाउन के दौरान संघर्ष किया। यह किताब अमेज़न पर उपलब्ध है।

2 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास का घेराव,जाएंगे हजारों पिछड़े वर्ग के लोग: कैलाश कुशवाह

अनिल कुशवाह ब्यूरो

शिवपुरी-- त्रिस्तरीय पंचायती राज मैं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को खत्म करने के विरोध में 2 जनवरी को ओबीसी के समस्त संगठनों द्वारा मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा जिसमें शिवपुरी जिले से हजारों जिसमे सभी समाजों के लोग अपने हक और अधिकार के लिए जाएंगे पोहरी विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रहे कैलाश कुशवाहा और पूर्व मंडी उपाध्यक्ष द्वारा सभी समाजों एवं समाज के संगठनों से अपील की है कि अपने हक अधिकार जिनको सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया है उन्हें पुनः बहाल करवाने हेतु 2 जनवरी को मुख्यमंत्री के निवास का घेराव किया जाएगा उसमें सभी से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी संख्या बल और ताकत का एहसास कराते हुए सरकार को संदेश दें यदि हमारे अधिकारों का हनन हुआ है उसे तुरंत वापस करें अन्यथा ओबीसी समाज आने वाले चुनावों में वोट की चोट देने से भी पीछे नहीं रहेगा अब सरकार को समझ जाना चाहिए पिछड़ा वर्ग समाज जागरूक हो चुका है अपने हक और अधिकार के लिए हम अपना हक और अधिकार लेकर रहेंगे।

मध्य प्रदेश बीज फार्म विकास निगम के नवनियुक्त दर्जा राज्यमंत्री प्राप्त उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह कुशवाह 1 जनवरी को भिंड आएंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के सानिध्य में कुशवाहा समाज के युवा नेता मध्य प्रदेश बीज फार्म विकास निगम के नवनियुक्त उपाध्यक्ष दर्जा राज्यमंत्री प्राप्त राजकुमार सिंह कुशवाह को नियुक्त किया गया है द्य कुशवाहा अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 1 जनवरी को अपने गृह जिला भिंड आएंगे उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं सर्व समाज के लोगों द्वारा अभूतपूर्व स्वागत की तैयारियां प्रारंभ की जा रही है ।उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश चतुर्वेदी मध्य प्रदेश सरकार में एक नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर विशेष रुप से स्वागत सम्मान समारोह में शामिल रहेंगे द्य

भारतीय जनता पार्टी मीडिया सेंटर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि मध्य प्रदेश बीज फार्म विकास निगम के नवनियुक्त उपाध्यक्ष दर्जा राज्यमंत्री राजकुमार सिंह कुशवाह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 दिसंबर को भोपाल से शताब्दी एक्सप्रेस रात्रि 3:00 बजे भोपाल से प्रस्थान कर ग्वालियर के लिए रवाना होंगे रात्रि 8:00 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे विश्राम गृह पर विश्राम एवं पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समाज के सभी वर्गों के जन प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे द्वाराज्यमंत्री कुशवाह दूसरे दिन 1 जनवरी को ग्वालियर से प्रातः 9:00 भिंड के लिए अपने काफिले के साथ रवाना होंगे जहां रेलवे स्टेशन ग्वालियर बस स्टैंड गोले के मंदिर दीनदयाल नगर महाराजपुरा में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी अगुवानी की जाएगी और स्वागत किया जाएगा राज्यमंत्री कुशवाह का काफिला उनके गृह जिले भिंड जिले की सीमा गोहद विधानसभा क्षेत्र के मालनपुर पहुंचेगा जहां पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी अगवानी की जाएगी साथ ही गोहद चौराहा सर्वा बरहद मेहगांव की सीमा में में मेहगांव के गोरमी तिराहे भिंड ग्वालियर चौराहा बरोही त्रिमूर्ति धर्म

कांटा दमोह नहर भिंड बस स्टैंड फेड चौराह होते हुए इंदिरा गांधी चौराहा इटावा रोड आभार सभा में उनकी रैली परिवर्तित हो जाएगी जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता सभा को संबोधित करेंगे भाजपा जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं से एवं मंडल इकाइयों के पदाधिकारियों से आह्वान किया है कि 1 जनवरी को नवनीत निगम उपाध्यक्ष राज्य मंत्री कुशवाहा का अपने अपने मंडलों में भव्य स्वागत कर उनके आगमन को लेकर तैयारियां प्रारंभ करें।

श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत की जिला ग्वालियर में बैठक हुई।

संतोष सिंह भदौरिया

ग्वालियर / श्री राष्ट्रीय छत्री महासभा अखंड भारत सोफा गैलरी पड़ाव में बैठक हुई जिसमें सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 19 जनवरी को हिन्दुआ सूर प्रातः स्मरणीय अमर बलिदानी महाराणा प्रताप जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संपूर्ण क्षत्रिय समाज को मनोरंजन मैदान में एकत्रित कर के विशाल वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें संपूर्ण क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक एवं मात्र शक्ति को एवं युवाओं को एक अनुशासन के साथ रैली के रुप में शहर के बीच से निकल कर गोले के मंदिर चौराहा पर महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर के श्रद्धांजलि देते हुए नए युवाओं को उनके चरित्र चित्रण से अवगत करवाने के लिए विचार संगोष्ठी के साथ कार्य क्रम को सफल बनाया जाए। जिससे क्षत्रिय समाज का आपसी भाईचारा और सौहार्द भी बढ़े और हर विषम परिस्थितियों में एकजुट होकर काम करने की प्रेरणा मिले । प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह राजावत जी ने कहा कि इस कार्यक्रम को किसी भी संस्था का या हमारा व्यक्तगत रुप नहीं दिया जाएगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी क्षत्रिय कुल में अवतरित हुए हुक्म,बन्ना,बाईसा यह कार्य क्रम सभी का है।सभी की उपस्थिति अति आवश्यक। कार्य क्रम 19/1/22 को दोपहर 12 बजे मनोरंजन मैदान हजीरा से सुरु हो कर फूलबाग मैदान से अचलेश्वर से सिटी सेंटर से मुरार से गोले के मंदिर पर पुष्प अर्पित कर बुद्धि जीवी समाज के बड़े बुजुर्गों से विचार संगोष्ठी कर समापन किया जाएगा।

वन-टू-वन

राष्ट्रीय स्वावलंबन अभियान के आगाज़ के साथ स्वदेशी जागरण मंच की 15 वीं राष्ट्रीय सभा का समापन

केशव दुबोलिया बने मध्य प्रदेश के संगठक

महेंद्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। स्वदेशी जागरण मंच की 15 वी राष्ट्रीय सभा का समारोप समारोह रविवार दिनांक 26 दिसंबर 2021 को एल एन आई पी ई सभागार में संपन्न हुआ । इस समारोह में माननीय भगैया जी पूर्व सर सह कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर सुंदरम, राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल जी राष्ट्रसह संगठक सतीश कुमार, राष्ट्रीय सह संयोजक - अश्विनी महाजन, अरुण ओझा, अजय पत्की, धनपत अग्रवाल, राष्ट्रीय महिला कार्य प्रमुख अमिता पतकी, पद्माश्री सुंडा राम जी, श्रीधर वैंबु एवं विभिन्न प्रांतों से आये स्वदेशी के 678 पदाधिकारीयों ने भाग लिया। समापन समारोह के दौरान राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समितियों में कुछ कार्यकर्ताओं को नए दायित्वों की घोषणा भी हुई। दीपक शर्मा अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख,रणजीत सिंह राष्ट्रीय प्रमुख दत्तोपंत ठेंगड़ी स्वाध्याय, डा राजकुमार चतुर्वेदी अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख एवम डा धर्मेंद्र दुबे अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख एवम केशव दुबोलिया मध्यप्रदेश के संघठक बनाए गए। राष्ट्रीय स्वावलंबन अभियान को देश भर में पूरी ऊर्जा और शक्ति के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने लिया। आए केंद्रीय अधिकारीयों की सोमवार को विशेष बैठक भी आगामी योजना के लिए संपन्न हुई। देश भर से आए स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी आयोजन के उपरांत अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

वारासिवनी कालेज में आपदा प्रबंधन के लिए माक ड्रिल का हुआ आयोजन

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

शंकर साव पटेल शासकिय महाविद्यालय वारासिवनी में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दल ने आपदा के दौरान किस तरह से मानव जीवन का बचाव किया जा सकता है के संबंध में मॉक ड्रिल के माध्यम से एन0सी0सी0 कैडेट्स और विधि के विद्यार्थियों को जागरूक किया। जिला कलेक्टर डॉ0 गिरीश कुमार मिश्रा से प्राप्त निर्देश के अनुसार महाविद्यालय के प्राचार्य एस0डी0 तिरपुड़े के मार्गदर्शन मे महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स एवं विधि के विद्यार्थी और टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स में आपदा एवं सड़क सुरक्षा के जागरूकता अभियान में सहभागीता की। वाराणसी से आये 11 एनडीआरएफ के 12 सदस्यीय दल ने इंस्पेक्टर बजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में आपदाओं के अवसर पर बचाव और सुरक्षा के संबंध में मॉक ड्रिल के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराई। सीपीआर तत्काल में उपलब्ध साधनों से स्ट्रेचर को बनाना,

दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सुरक्षित निकाल कर चिकित्सा उपलब्ध करवाना, बाढ़ और आग लगने के समय सुरक्षा और बचाव के तरीके आदि मॉक ड्रिल के माध्यम से विद्यार्थियों को सिखलाई दी गई। महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ0 हेमन्त कुमार मण्डाले ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर द्वारा प्राप्त पत्र के निर्देश के अनुसार महाविद्यालय में एनडीआरएफ के दल ने आपदा और सड़क सुरक्षा में बचाव के उपायों के विषय में जागरूकता अभियान संपन्न करवाया। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप हेलमेट का वितरण किया गया। इस जागरूकता कैम्प में एनसीसी और विधि के लगभग 118 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। साथ ही डॉ0 एस0एस0 गेड़ाम, डॉ0 त्रिरत्नेश गजभिये, संतोष गोखले, श्रीमती संध्या मण्डाले, सुनील चौरे और एनसीसी फर्स्ट अफसर शलभ सिंह बैस का सहयोग सराहनीय रहा है

आनंले कुशवाह ब्यूरो शिवपुरी-खबर शिवपुरी जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट से आ रही है जहां न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले बीईई, एमआई ,एलएसजी भी एमपीएस एएनएम एमपीडब्ल्यू द्वारा कलेक्ट्रेट जिला कार्यालय शिवपुरी में ज्ञापन दिया गया । उपरोक्त विषय के संबंध में सभी पदाधिकारी एवं साथियों द्वारा बैठक कर कोविड-19 टीकाकरण अभियान के दौरान मैदानी कर्मचारियों को स्थानीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है शासकीय अवकाश या रविवार होने के बावजूद भी हमें टीकाकरण के लिए जाना पड़ता है ड्यूटी का समय निर्धारित नहीं है सुबह 6:00 से रात के 8:00 बजे तक हमें टीकाकरण हेतु जाना पड़ता है लेकिन कर्मचारियों को टीकाकरण सत्र का टाइम सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 4:00 बजे तक निर्धारित किया जाए। लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कोविड-19 टीकाकरण हेतु योजना मनाई जाए नाके अनावश्यक दबाव बनाया जाए नहीं होती तो हम पर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है अति जोखिम क्षेत्र में वाहन से टीम वर्क द्वारा नियमित टीकाकरण कराया जाए पर टीकाकरण के लिए नियमित समय पर पहुंचना पड़ता है टीकाकरण में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद हमें जूम मीटिंग भी अटेंड करनी होती है जूम मीटिंग अटेंड न करने पर उच्चाधिकारियों द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करके हम पर निशाना साधा जाता है।

2 जनवरी तक खरीदी केन्द्र पर धान नहीं ला पाएंगे किसान

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट जिले में इन दिनों हो रही बारिश को दृष्टिगत रखते हुए किसानों से अपील की गई है कि वे बारिश के रूकने तक अपनी धान लेकर खरीदी केन्द्र पर न आयें। जब बारिश बंद हो जाये और मौसम साफ हो जाये तो धान बिक्री के लिए लेकर आयें। इससे किसानों की धान घर पर ही रहेगी तो पानी में भीगने से बची रहेगी और उन्हें नुकसान नहीं होगा और खरीदी केन्द्र पर भी असुविधा नहीं होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रिय कार्यालय भोपाल, से कृषि विज्ञान केंद्र बड़गाव बालाघाट को प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में दिनांक 29 एवं 30 दिसंबर 2021 को मध्यम वर्षा तथा 31 दिसंबर से 01 व 02 जनवरी 2022 को हल्की वर्षा के साथ मध्यम बादल छाये रहने की संभावना है । इस अवधि में सापेक्ष आद्रता 82 से 97 प्रतिशत रहने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 10 डिग्री से सेल्सियस तथा हवा की गति 6 से 9.3 किलोमीटर प्रति घंटा दक्षिण पूर्व रहने की संभावना है। जिला कृषि मौसम इकाई, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव, बालाघाट द्वारा यह जानकारी दी गई है।

47 हजार 416 किसानों से 22 लाख 2 हजार 516 क्विंटल की हुई धान खरीदी: जिले में खरीफ वर्ष 2021-22 में दिनांक 28 दिसंबर 2021 तक 47 हजार 416 किसानों से 22 लाख 2 हजार 516 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा धान खरीदी कार्य की सतत समीक्षा की जा रही है।

धान को तिरपाल से ढककर किया जा रहा सुरक्षित: इस सबन्ध में राजीव सोनी प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट ने बताया कि किसानों से ली गई धान के सुरक्षित रख रखाव के लिये निर्देश दिये गये है। सोनी ने बताया कि मौसम विभाग के अनुसार मौजूदा स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये खरीदी केंद्रों के कर्मचारियों को पूर्व में ही चाक चौबंद वयवस्था करने निर्देशित किया गया है। श्री सोनी ने बताया कि बैंक की ओर से पी जोशी मुख्यालय द्वारा भी निरतंर धान खरीदी केंद्रों में जाकर भेंट देते हुये शासन की नीति निर्देशो के अनुरूप खरीदी किये जाने कहा जा रहा है।

भारतीय जनसंघ युवा क्रांतिकारी मीसाबंदी शहीद हसमत वारसी की पुण्यतिथि पर अल्पसंख्यक मोर्चा ने चादर पोशी कर श्रद्धांजलि अर्पित की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड ।भारतीय जनसंघ के युवा क्रांतिकारी मीसाबंदी शहीद लोकतांत्रिक सेनानी हसमत वारसी की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशफाक अली के नेतृत्व में सभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने वीरेंद्र वाटिका में उनकी स्थापित मजार पर पहुंचकर चादर पोशी कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया द्य

पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रोफेसर इकबाल अली ने कहा कि हसमत वारसी एक क्रांतिकारी युवा नेता थे जिन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विरोधी नीतियों और सन 1975 में लगाए गए आपातकाल का विरोध कर उन्हें माफी मांगने को कहा लेकिन उन्होंने भिंड की भूमि में जन्म लेकर इंदिरा गांधी की सरकार को यह कहकर हिला दिया कि यह मातृभूमि का खून है, मैं माफी नहीं मांगूंगा और वह जेल में शहीद हो गए 7 आज हम सब कार्यकर्ता उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का पुण्यतिथि पर संकल्प लेंगे यही उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित होगीद्य, जिन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ धारा 370 को हटाने के लिए जम्मू कश्मीर में उनके साथ आंदोलन में भाग लिया और किस विचारधारा के लिए शहीद हुए उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने लोकसभा सदन में धारा 370-35 को हटाकर कश्मीर के विकास को गति को आगे बढ़ाया है और डॉक्टर मुखर्जी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अशफाक खान ने कहा कि हसमत वारसी साहब ऐसे क्रांतिकारी नेता थे जिन्होंने अपने अंतिम क्षण तक कांग्रेस की गलत नीतियों का विरोध कर इंदिरा गांधी के आपातकाल का विरोध शहीद हो गए, हम सब कार्यकर्ता आज उनकी पुण्यतिथि पर संकल्प लेते हैं कि अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा भारतीय जनता पार्टी की ताकत को मजबूत करेंगे यही उनके लिए श्रद्धांजलि होगी इस अवसर पर वरिष्ठ नेता आनंद बरुआ एडवोकेट अनिल शर्मा एडवोकेट मोहम्मद अली अशफाक खां भाजपा मंडल अध्यक्ष वन खंडेश्वर मंडल अमित जैन महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष शेरू पचौरी आलोक शुक्ला राम भवन सिंह समीर खान मोहिन खान सौरभ ठाकुर यूसुफ खां कपिल खां मुन्ना मामू आदि प्रमुख उपस्थित थे ।

उपन्यास - तीसा
लेखिका- नंदनी अग्रवाल
प्रकाशक- प्रभात पब्लिकेशन
मूल्य- ?215 (पेपर बैक)
किंडल - ?51

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो विनोद पाठक!

भारत में किस्से-कहानियों में राजा और उनकी रियासत को आज भी ज़िंदा रखा गया है। राजाओं के भोग-विलास और शानदार जीवन की कहानी सिर्फ सुनने और पढ़ने के लिए ही नहीं होती है। बल्की कुछ कहानियां उस दौर में प्रजा के साथ हुई घटना और राजा के कुटिल स्वभाव को भी बयान करती है। 'तीसा' उपन्यास का तानाबाना भी राजा और मंत्री की चालबाजी से शुरू होता है। जहां राजा लालची तो है ही लेकिन एक खौफ के साये में अपनी ज़िंदगी को जी रहा है। हालांकि ऐशो आराम की तलब इतनी है कि उसे पूरा करने के लिए वह ये बखूबी जानता है कि प्रजा के साथ अन्याय के नए-नए तरीकों को अपनाकर उनसे खुद के शौक कैसे पूरे होते है? राजा का अपनी ही रानी से मोहभंग सिर्फ इसलिए हो जाता है क्योंकि रानी राजा की कुटिल करतूतो पर खामोश नहीं होती है। इसी कारण सियासत की बिसात पर मौत की कहानी का पहला अध्याय लिख दिया जाता है। इस गुनाह पर धूर्त मंत्री का पर्दादारी करना, राजा के वजीर होने की वफादारी भी दिखाता है। कहानी का केंद्र बिंदु तीसा का शांत स्वभाव और चांद सी शीतलता ओढ़े उसकी खूबसूरती है जो जंगल में चन्दन की खुशबू फैलाती हुई सी लगती है। अब जहां चन्दन हो वहां विषैले सांप तो होंगे ही। ऐसे में राजा के मायाजाल से खुद को बचाना, ये चुनौती का काम तो होगा ही। इस उपन्यास में तीसा कैसे मुश्किल समय में धैर्य और साहस से अपनी जीत को सुनिश्चित करती है ये हम सब के लिए एक सबक की तरह हो सकता है। साथ ही कुछ बुरी यादें जो वक्त के साथ भूलकर हमें आगे बढ़ने और जीवन संघर्ष में जीत की रणनीति क्या होती है ये भी बताती है।

बारिश की संगीतमयी थाप से दिव्य सुरों से सजी मनीषी की देहरी

एक साथ खिले पूर्व और पश्चिम के सुर

ग्वालियर। हल्की बारिश की संगीतमयी थाप के साथ व्रह्म नाद के साधकों ने जब स्वर लहरियाँ बिखेरी तो लगा जैसे गान मनीषी तानसेन का आँगन दिव्य सुरों में सज गया है। खूबसूरत देश फ्रांस से आए संगीतज्ञ मार्टिन डब्बॉइस ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों के साथ संगत की तो लगा सारे रुके सुर एक साथ बजने लगे हैं। सुबह से हो रही रिमझिम बारिश से ब?ी ठण्डक के बीच उत्तर एवं दक्षिण भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित कलाकारों ने ऐसी राग-रागनियाँ बिखेरीं कि लोग सर्दी का एहसास भूल गए। यहाँ बात हो रही है विश्व संगीत समागम तानसेन समारोह के तहत रिमझिम फुहारों के बीच सजी मंगलवार की प्रातःकालीन सभा की।

तानसेन समारोह की चौथी एवं मंगलवार की प्रातःकालीन सभा की शुरुआत पारंपरिक ढंग से स्थानीय भारतीय संगीत महाविद्यालय के ध्रुपद गायन के साथ हुई। राग ÷ देशी% में प्रस्तुत ध्रुपद रचना के बोल थे ÷ रघुवर की छवि सुंदर÷। पखावज पर श्री संजय आफले और हारमोनियम पर श्री मुनेन्द्र सिंह ने संगत की। इस मनोहारी प्रस्तुति में संगीताचार्य श्री संजय देवले का कुशल संयोजन रहा।

फ्रांस और अफ्रीकन संगीत से मंत्रमुग्ध हुए रसिक

मधुर थाप के साथ जैसे-जैसे बारिश का बरसना शुरू हुआ तो मीठे-मीठे सुरों ने भी बूँदों के साथ साम्य बना लिया।पश्चिमी देश ?ांस से आये श्री मार्टिन डब्बॉइस ने ताल वाद्य के अलावा कोरा व गायन भी प्रस्तुत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत जैज संगीत सुनते ही बन रहा था। मार्टिन के गायन-वादन में भारतीय शास्त्रीय संगीत की झलक भी दिखाई दी। अफ्रीकन लोक संगीत से भी उन्होंने श्रोताओं को रू-ब-रू कराया। उनकी आकर्षक प्रस्तुति से एक नूतन संगीत गूँज उठा और रसिक मंत्रमुग्ध हो गए ।

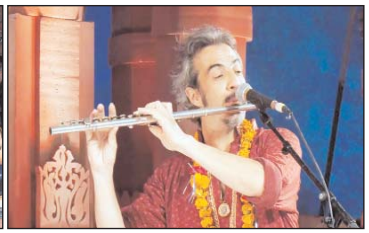

नजरिया लागे नहिं कहीं और....

बारिश का संगीत से भी खुशनुमा रिश्ता है। आसमान से झर रहीं बारिश की बूँदों के बीच उदयीमान ख्याल गायिका सुश्री तृप्ति कुलकर्णी ने अपनी स्वर लहरियों का आकर्षण बिखेरा। तानसेन समारोह में मंगलवार की प्रातःकालीन सभा में इंदौर से पधारीं तृप्ति कुलकर्णी की दूसरे कलाकार के रूप में प्रस्तुति हुई।

मधुर एवं बुलंद आवाज की धनी सुश्री तृप्ति ने अपने गायन के लिए शुद्ध धैवत और मारवा ठाठ का राग ÷ विभास÷ चुना। उन्होंने रूपक में ब?ा ख्याल ÷ हो श्याम..÷ और इसके बाद एक ताल मध्यलय में छोटा ख्याल ÷ पिया रैन जागे..÷ प्रस्तुत कर समा बांध दिया। तृप्ति कुलकर्णी ने जब प्रसिद्ध दादरा ÷ न?रिया लागे नहिं कहीं और ...÷ का सुमधुर गायन किया तो रसिक प्रेम रस से सराबोर हो गए। ख्याल गायकी की मोहक स्वर लहिरियों के साथ राग में आलापचारी को खास अंदाज में पेश कर उन्होंने श्रोताओं के दिलों को गहराई तक छूने का सफल प्रयास किया। राग की शुद्धता, सुरीली तानें और लयकारी से उन्होंने साबित किया कि उनमें भविष्य की उत्कृष्ट गायिका बनने की सारी खूबियाँ विद्यमान हैं।

उनके गायन में तबले पर श्री गांधार राजहंस व हारमोनियम पर श्री विवेक जैन ने शानदार संगत की। तानपूरे पर सुश्री कल्याणी व सुश्री अंकिता ने अच्छा साथ निभाया।

कर्नाटक शैली के रागों से गान महर्षि तानसेन को स्वरांजलि

कर्नाटक संगीत की ख्यातिनाम गायिका सुश्री सुधा रघुरामन ने संगीत मोहक गायन से अलग ही रंगत बिखेरी। गान महर्षि तानसेन को उन्होंने हिदुस्तानी शास्त्रीय संगीत अर्थात कर्नाटक शैली की मिसुरी भरी राग-रागनियों से स्वरांजलि अर्पित की। तानसेन समारोह में प्रस्तुति देने दिल्ली से पधारीं सुश्री रघुरामन ने कर्नाटक शैली के राग ÷अमृत वर्षिणी÷ में अपने गायन का आगा? किया। अपनी खनकदार आवाज से सुंदर स्वरावली का उपयोग करते हुए उन्होंने दक्षिण भारत के प्रसिद्ध संगीतज्ञ संत मुत्थु स्वामी की रचना का सुमधुर गायन किया। इसके बाद उन्होंने राग ÷ वासंती÷ और आदि ताल में मराठी अभंग की मनोहारी प्रस्तुति दी। संत नामदेव द्वारा रचित इस अभंग के बोल थे ÷ पाण्डुरंगे अनाथाच्चा दीनाचा दया?ा÷। सुश्री रघुरामन ने राग ÷ शुद्ध सारंग÷ में जयदेव रचित अष्टपदी ÷सखीए येशी मदन..÷ की कर्णप्रिय प्रस्तुति देकर ब?ी संख्या में मौजूद संगीत रसिकों को तालियाँ बजाने के लिए मजबूर कर दिया। यह प्रस्तुति मिश्र चप्पू ताल में निबद्ध थी, जिसे उत्तर भारत में रूपक कहा जाता है। उन्होंने राग ÷ वृंदावनी सारंग÷ में दक्षिण भारतीय ÷ तिल्लाना÷ पेश कर अपने गायन को विराम दिया। आपके साथ बाँसुरी पर श्री जी रघुरामन, मृदंगम पर श्री एम व्ही चन्द्रशेखर और तबले पर श्री शम्भूनाथ भट्टाचार्य ने कमाल की संगत कर गायन को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। सुधा रघुरामन कर्नाटक शैली में अब तक ढाई सौ से अधिक गीत रिकॉर्ड करा चुकीं हैं। वे देश के प्रसिद्ध संगीत समारोहों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया व अमेरिका सहित दुनियाँ के कई देशों के प्रतिष्ठित मंचों पर भी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दे चुकीं हैं।

सुविख्यात तबला वादक पं. सुरेश तलवलकर 'कालिदास सम्मान' से विभूषित

ग्वालियर। संगीत की नगरी ग्वालियर में आयोजित हो रहे विश्व संगीत समागम ÷तानसेन समारोह%% में पिछले वर्षों के कालिदास सम्मान भी प्रदान किए जा रहे हैं। मंगलवार को सायंकाल समारोह की पाँचवी सभा में देश के सुविख्यात तबला वादक पद्मश्री पं. सुरेश तलवलकर पुणे को वर्ष 2018 के कालिदास सम्मान से अलंकृत किया गया। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक श्री जयंत भिसे ने पं सुरेश तलवलकर को कालिदास सम्मान से अलंकृत किया। सम्मान स्वरूप दो लाख की आयकर मुक्त राशि शॉल एवं श्रीफल प्रदान किये गए। इस अवसर पर उस्ताद अलाउद्दीन ?ाँ संगीत एवं कला अकादमी के सहायक निदेशक श्री राहुल रस्तोगी और राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो सहित्य कुमार नहर भी उपस्थित थे। यहाँ हजीरा स्थित संगीत सम्राट तानसेन समाधि के समीप सिद्धेश्वर मंदिर ओंकारेश्वर की थीम पर बने भव्य एवं आकर्षक मंच पर सोमवार की सांध्यबेला में आयोजित हुई संगीत सभा में कालिदास सम्मान प्रदान किया गया। तबला वादन के क्षेत्र में पं. सुरेश तलवलकर देश और दुनिया में एक जाना-माना नाम है। उन्होंने हिन्दुस्तानी और कर्नाटक शैली में परस्पर संबंध स्थापित किया। पं. तलवलकर जी पुणे स्थित गुरूकुल तालयोगी आश्रम में आज भी गुरू शिष्य परंपरा से तबला वादन का विधिवत पारंपरिक प्रशिक्षण दे रहे हैं।

कला समारोह के द्वितीय चरण का समापन आज

ग्वालियर। रंग शिल्प समिति एवं ग्वालियर स्मार्ट सिटी के संयुक्त तत्वाधान में यहाँ बैजाताल के समीप स्थित रीजनल आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट सेंटर में 19 दिसंबर से चल रहे 15 दिवसीय कला समारोह के द्वितीय चरण का समापन बुधवार 29 दिसंबर को अपराहन 2॰00 बजे होगा। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉक्टर साहित्य कुमार नाहर होंगे। ज्ञातव्य हो कि इस समूह प्रदर्शनी में नगर के प्रख्यात कलाकार शामिल हैं जिनकी 50 से अधिक कृतियां, पेंटिंग और मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं जो व्यापक जन आकर्षण का केंद्र हैं । कला समारोह के तीसरे चरण की युगल प्रदर्शनी का उद्घाटन 30 दिसंबर को सीईओ स्मार्ट सिटी श्री जयति सिंह जी करेंगी द्य इस युगल प्रदर्शनी में डॉक्टर संजय धवले और कला समिति के अध्यक्ष श्री के पी श्रीवास्तव की पेंटिंग्स और मूर्तियां प्रदर्शित की जाएंगी।

चतुर्वेदी का निधन-लोकतंत्र सेनानियों के लिए अपूर्णीय क्षति

ग्वालियर। सीनीयर एडवोकेट एवं लोकतंत्र सेनानी संघ की दतिया जिला शाखा के अध्यक्ष श्री टी.एन.चतुर्वेदी जी के आकस्मिक निधन से लोकतंत्र सेनानी गहरे सदमें में हैं। लोकतंत्र सेनानी संघ की एक बैठक में एडवोकेट श्री चतुर्वेदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी गयी. संगठन के राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने श्री चतुर्वेदी के आकस्मिक निधन को लोकतंत्र सेनानी संघ, उनके परिजन तथा आपातकाल योद्धाओं लिए अपूर्णीय क्षति बताते हुए इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की. श्रद्धांजलि देनेवालों में प्रमुख है-मोहन विटवेकर, प्रदेश उपाध्यक्ष-गुलशन गोगिया, जिलाध्यक्ष.ग्वालियर-जीपी गर्ग, कार्यकारी अध्यक्ष-नवल किशोर मिश्रा, जिलाध्यक्ष, भिंड-रामसिंह यादव, कार्यकारी अध्यक्ष, मुरैना-अशोक शर्मा, जिलाध्यक्ष, शिवपुरी-के.एल.चौरसिया, जिलाध्यक्ष, गुना तथा भानूप्रकाश जैन, राजेन्द्र आर्य, गोपाल गांगिल, अशोक कुमार तँवर, बसंत शर्मा, जयेन्द्र पाल खुराना आदि।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर वरिष्ठ 101 महिला/पुरूष कांग्रेसजनों का हुआ सम्मान

'लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्त्ता जन' 'संघर्ष जारी रखें -अशोक सिंह'

'वरिष्ठजनों का सम्मान करके गौरान्वित हुआ हूँ - डॉ. सिकरवार'

ग्वालियर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थापना दिवस पर आज 101 वरिष्ठ महिला/पुरूष कांग्रेसजनों का सम्मान समारोह चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष एवं ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह मुख्य आथित्य में आयोजित किया है। सम्मान समारोह की अध्यक्षता शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों ने कांग्रेस के महापुरूषों के चित्रों के समक्ष दीप प्र%वलित किया। तत्पश्चात कार्यक्रम के संयोजक एवं ग्वालियर पूर्व विधानसभा से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में वन्देमातरम् और देश मेरा रंगीला गीत की शानदार प्रस्तुती अक्षरा पुष्पद ने दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ महिला एवं पुरूष कांग्रेसजनों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष एवं ग्रामीण ग्वालियर के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पंण्डित जवाहरलाल नेहरू के बताये मार्ग पर चलकर मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में इन महापुरूषों का विशेष योगदान रहा है। वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुये श्री सिंह ने कहा कि कुछ ताकते लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास कर रही है,ऐसी ताकतों के खिलाफ हर कांग्रेस कार्यकर्त्ता को निर्णायक जनसंघर्ष करना होगा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं का आव्हान किया कि आने वाले लोकसभा, विधानसभा और नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में कांग्रेस के हर कार्यकर्त्ता को अहम भूमिका निभाना होगी। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने वरिष्ठ कांग्रेस सम्मान कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि विधायक डॉ. सिकरवार ने आज पार्टी के स्थापना दिवस पर वरिष्ठजनों का सम्मान करके एक अ%छा उदाहरण पेश किया है।

जीवन की धरती पर धर्म की इमारत खड़ी करने के लिए मानवता की गहरी नींव चाहिए-मुनिश्री

मुनिश्री के सानिध्य में 64 रिद्धि विधान पूजन 01 जनवरी 2022 नववर्ष में आयोजित होगा

ग्वालियर/ इमारत जितनी भव्य और विशाल होती है उसकी नींव भी उतनी गहरी होती है। जीवन की धरती पर धर्म की इमारत खड़ी करने के लिए मानवता की गहरी नींव चाहिए। जिस व्यक्ति का हृदय मानवता के सद्गुणों से शून्य है उस व्यक्ति के द्वारा किए गए धार्मिक क्रियाकलाप सार्थक परिणाम देने में समर्थ नहीं हैं। यह विचार राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने आज मंगलवार को नई स?क स्थित चंपाबाग धर्मशाल में धर्मसाभ को संबोधित करते हुए कही। मंच पर मुनिश्री विजयेश सागर महाराज, मुनिश्री विनिबोध सागर महाराज व ऐलक श्री विनियोग सागर महाराज मौजूद थे। मुनिश्री ने कहा कि हृदय की पवित्रता ही धर्म का आधार है अत॰ व्यक्ति को अपने हृदय को शुद्ध बनाना चाहिए। हृदय की मलिनता धर्म की तेजस्विता को ख़त्म कर देती है। धर्म की साधना करने के पूर्व मानवता के सद्गुणों का विकास बेहद जरुरी है। मानवता की नींव पर ही धार्मिकता का महल खड़ा होता है। इस मौके पर विनय कासलीवाल, पंकज बाकलीवाल, विजय जैन, अनिल जैन, प्रकाशचंद जैन, राजीव जैन, रोहित जैन, विहर्ष युवा मंडल,आदि मौजूद थे। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज के प्रतिदिन 09:00 बजे से मंगल प्रवचन नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में होंगे।

धन की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता

मुनिश्री ने कहा कि गृहस्थ जीवन में धन की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता। अर्थ के बिना सब व्यर्थ है। मगर धन का उपार्जन न्याय नीति से होना चाहिए। अन्याय से अर्जित धन जीवन में मुसीबतों की फौज लेकर आता है। जो व्यक्ति पापकर्म करके धन कमाते हैं उनका यह लोक शोक और दुखमय होता है और परलोक में नरक आदि दुर्गति के मेहमान बनते हैं। इस सत्य को दृष्टि के समक्ष रखकर ही जीवन के सफ़र को तय करना चाहिए।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने जनसुनवाई में सुनी आमजनों की समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर। जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य कार्यक्रम आमजनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शासन द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। शासन की प्राथमिकता वाले इस प्रकार के कार्यक्रमों में आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण प्रत्येक अधिकारी को गंभीरता से करना चाहिए। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने जनसुनवाई के दौरान सभी अधिकारियों को दिए। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय के प्रशासनिक भवन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान वार्ड 66 स्थित ग्राम नौगांव के निवासियों ने सरकारी रास्ते पर दंबंगो द्वारा कब्जे की शिकायत की जिसकी जांच कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों का दिए गए। वहीं वार्ड 29 स्थित दर्पण कॉलोनी क्षेत्र के निवासियों द्वारा दर्पण कॉलोनी के नाले की शिल्ट हटवाने का आग्रह किया गया जिसको लेकर मौके से ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। गोले के मंदिर क्षेत्र के निवासियों द्वारा क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर शिकायत की जिसको लेकर संबंधित निर्माण की जांच करने के निर्देश संबंधित भवन अधिकारी को दिए गए। किलागेट क्षेत्र के निवासियों द्वारा सोडाकुआं किलागेट पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अन्य नागरिकों द्वारा भी विभिन्न समस्याओं को लेकर आवेदन दिए जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों का आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

कला की प्रस्तुति के माध्यम से भगवान की आराधना होती है : श्री शेजवलकर

विद्यार्थियों की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

शिक्षा विभाग का 'अनुगूँज-2021' का रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न

ग्वालियर। कला से समृद्ध शिक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए धनक और रंगकार के रूप में सजा अनुगूँज कार्यक्रम मंगलवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित हुआ। इस रंगारंग कार्यक्रम में शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया। सभागार में जब बच्चों ने ÷खूब ल?ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी÷ सुनाया तो पूरा हॉल गूँज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर थे।

अनुगूँज कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि कला के माध्यम से केवल मनोरंजन ही नहीं होता बल्कि मानसिक विकास भी होता है। कलाकारों की प्रस्तुति भगवान की आराधना होती है। इससे व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी होता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में किसी न किसी कला से जु?कर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए।

सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि संत महात्मा भी अकेले में आराधना कर आध्यात्म की प्राप्ति करते हैं। लेकिन कलाओं के माध्यम से सबको जो?कर जो आराधना की जाती है वह और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये आयोजित अनुगूँज कार्यक्रम की उन्होंने प्रशंसा की और कहा कि इससे शासकीय विद्यार्थियों को कला से समृद्ध शिक्षा दिलाने का उद्देश्य पूरा होगा।

सांसद श्री शेजवलकर ने समारोह में यह भी कहा कि लोगों की मान्यता रहती है कि प्रायवेट स्कूलों में प?ने वाले बच्चे ही प्रतिभावान होते हैं। शासकीय स्कूलों के मेधावी छात्रों ने इस अवधारणा को पूरी तरह से निराधार करके दिखाया है। विद्यार्थियों को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने व्यक्तित्व के निखार के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शासकीय स्कूल के अध्यापकों को भी विद्यार्थियों में आत्मविश्वास ब?ाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संयुक्त संचालक शिक्षा श्री राजीव कृष्ण उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कला से समृद्ध शिक्षा के उद्देश्य से अनुगूंज 2021 का आयोजन किया जा रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478